राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 15 सितंबर 2026 वर्ष-9,अंक-224 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## हिंदी दिवस पर इजरायली राजदूत बोले- 'नमस्ते भारत, मेरा नाम रूवेन अजार'

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदी दिवस के मौके पर भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने हिंदी में भारतवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा, 'नमस्ते भारत, मेरा नाम रूवेन अजार है। मैं भारत में इजरायल का राजदूत हूं।' इसी के साथ ही उन्होंने बताया कि करीब दो साल पहले भारत आने के बाद उन्होंने हिंदी सीखना शुरू किया था। अजार ने कहा कि दो साल बाद वह हिंदी दिवस के अवसर पर भारत के लोगों को शुभकामनाएं देना चाहते हैं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा कि दो प्राचीन भाषाएं आज भी जीवित हैं। उन्होंने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं। हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। इस दिन हिंदी के महत्व और इसके इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इसी निर्णय की याद में हिंदी दिवस मनाया जाता है।

## भाकपा ने ब्रिक्स घोषणापत्र का स्वागत किया, वैश्विक व्यवस्था में सुधार की वकालत की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने ब्रिक्स घोषणापत्र का स्वागत कर एक अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, लोकतांत्रिक और न्यायसंगत अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की दिशा में ब्रिक्स समूह को नेतृत्व करने की वकालत की है। भाकपा महासचिव डी.राजा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में ग्लोबल साउथ की अधिक भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) व विश्व बैंक में सुधार का आह्वान महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने निर्णय लेने वाली संस्थाओं में भारत और अन्य विकासशील देशों को शामिल करने के प्रयासों में तेजी लाने पर जोर दिया। भाकपा महासचिव राजा ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर भारत-चीन संबंधों में हुई प्रगति का उल्लेख किया, जो भाकपा के लंबे समय से चले आ रहे रुख को मजबूत करता है कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, पार्टी ने पश्चिम एशिया में जारी हिंसा पर ब्रिक्स देशों द्वारा जाहिर की गई स्पष्ट चिंता और गाजा में तत्काल संघर्षविराम के आह्वान का भी स्वागत किया।

## ठाणे में नाबालिग के यौन उत्पीड़न पर मेडिकल प्रतिनिधि गिरफ्तार

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में नाबालिग छात्रा का एक साल से भी अधिक समय तक कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 26 वर्षीय मेडिकल प्रतिनिधि अमित प्रजापति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने इस जघन्य अपराध को छुपाने और कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए पीड़िता और उसके परिवार को धमकियां दी थीं। इतना ही नहीं, उसने हाल ही में मामले को रफा-दफा करने के लिए परिवार को छह लाख रुपये की मोटी रकम की पेशकश की थी। एक स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता के हस्तक्षेप और सहयोग के बाद ही पीड़िता के परिवार ने हिम्मत जुटाकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया, जिसके बाद यह गिरफ्तारी संभव हुई। पुलिस ने अमित प्रजापति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने लड़की की उम्र का खुलासा नहीं किया है।

## गुवाहाटी महिला हत्याकांड : आरोपी पति की पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश में मौत

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम की राजधानी गुवाहाटी में अपनी पत्नी की हत्या के आरोपी रामानुज गोस्वामी की पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान मौत हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रामानुज को मेडिकल जांच के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया जा रहा था। तभी आरोपी ने नरकासुर हिल इलाके में चलती पुलिस गाड़ी से कूदकर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने आरोपी को रोकने के लिए गोली चलाई, जो रामानुज को लगी। बाद में आरोपी को मृत घोषित किया गया। रामानुज गोस्वामी पर अपनी पत्नी रिया गोस्वामी की निर्मम हत्या का आरोप था। रिया का कटा हुआ सिर गुवाहाटी स्थित उनके घर के रेफ्रिजरेटर से बरामद हुआ था, जिसने पूरे शहर को स्तब्ध किया था। पुलिस के मुताबिक, गोस्वामी ने एक घरेलू झगड़े के बाद रिया की हत्या कर दी थी। रिया की कथित हत्या के दो दिन बाद, रामानुज ने थाने में आत्मसमर्पण कर दिया था और पुलिस ने इस मामले में गिरफ्तार कर लिया था। जानकारी के अनुसार, रिया और रामानुज की शादी करीब छह महीने पहले हुई थी और वे हाटीगांव स्थित अपार्टमेंट में साथ रह रहे थे। मूल रूप से गौरीपुर का रहने वाला रामानुज उबर ड्राइवर का काम करता था, जबकि उसकी पत्नी एक बुटीक में कार्यरत थी।

# ब्रिक्स की सफलता भारत की कूटनीतिक सफलता: यशवंत सिन्हा

### पुतिन-शी समेत सभी राष्ट्राध्यक्षों की मौजूदगी, संयुक्त घोषणापत्र और द्विपक्षीय वार्ताओं को बताया भारत की बड़ी उपलब्धि

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के समापन के बाद पूर्व विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा ने इसे भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक सफलता बताया है। उन्होंने सम्मेलन की सफलता को तीन प्रमुख बिंदुओं में समझाते हुए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान की मौजूदगी के साथ संयुक्त घोषणापत्र और द्विपक्षीय बैठकों को महत्वपूर्ण उपलब्धियां बताया।
सिन्हा ने एक बातचीत में कहा कि सम्मेलन की पहली सफलता यह रही कि जिन राष्ट्राध्यक्षों को भारत ने आमंत्रित किया था, वे सभी सम्मेलन में पहुंचे। उन्होंने विशेष रूप से पुतिन और शी जिनपिंग की मौजूदगी को अहम बताया। उनके मुताबिक, सम्मेलन के बाद संयुक्त घोषणापत्र जारी होना दूसरी बड़ी सफलता है। उन्होंने कहा कि इससे पहले विदेश मंत्रियों की बैठक में संयुक्त घोषणापत्र जारी नहीं हो पाया था, लेकिन इस बार अधिकारियों के प्रयासों से इस पर सहमति बनी। यशवंत सिन्हा ने सम्मेलन की तीसरी उपलब्धि के तौर पर विभिन्न देशों के नेताओं के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ताओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत ने सम्मेलन के दौरान सभी महत्वपूर्ण नेताओं के साथ बैठकें कीं, जिससे कूटनीतिक स्तर पर संवाद को आगे बढ़ाने का अवसर मिला।
चीन से बातचीत जरूरी, लेकिन भरोसा नहीं
चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बैठक पर सिन्हा ने कहा कि भारत को चीन के साथ बातचीत जारी रखनी चाहिए, लेकिन उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि चीन लगातार भारत को परेशान करता रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सम्मेलन के दौरान भारत ने अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाई। रात्रिभोज में शी जिनपिंग की अनुपस्थिति को लेकर उन्होंने कहा कि ऐसा माना जा रहा है कि वह द्विपक्षीय वार्ता से खुश नहीं थे।
ईरान और गाजा के मुद्दे पर भी भारत की भूमिका अहम
ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान की भारत यात्रा को भी सिन्हा ने महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इजराइल और अमेरिका के ईरान पर हमले तथा ईरान के सर्वोच्च नेता की मौत के बाद भारत की तत्काल प्रतिक्रिया नहीं आई थी, ऐसे में ईरानी राष्ट्रपति का ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होना अहम है।
सिन्हा ने इजराइल-फिलिस्तीन मुद्दे पर भी भारत के रुख को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पिछले करीब 12 वर्षों में भारत की स्थिति पारंपरिक रुख से कुछ अलग दिखाई दे रही थी, लेकिन ब्रिक्स सम्मेलन में भारत फिर अपने पुराने स्टैंड पर लौटता दिखा। संयुक्त घोषणापत्र में गाजा का जिक्र भी इसका संकेत है। उन्होंने कहा कि समग्र रूप से देखा जाए तो भारत ने ब्रिक्स सम्मेलन में बड़ी कूटनीतिक सफलता हासिल की है।

## लोग अब नफरत करते हैं कांग्रेस से : केजरीवाल

### - आप संयोजक का दावा- भाजपा का वोटर कांग्रेस को नहीं, आप को वोट देगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब और गोवा में कांग्रेस से अलग चुनाव लड़ने को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, कि उनकी पार्टी विपक्ष के वोटों को विभाजित नहीं कर रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा से नाराज मतदाताओं का एक वर्ग कांग्रेस को वोट नहीं देता, जबकि आम आदमी पार्टी उसे स्वीकार्य है। गोवा चुनाव के संदर्भ में दिए बयान में केजरीवाल ने कहा कि यह मानना गलत है कि आप के अलग चुनाव लड़ने से केवल गैर-भाजपा वोटों का बंटवारा होगा। उनके मुताबिक, ऐसा मानने का अर्थ यह है कि आप को सिर्फ गैर-भाजपा मतदाता ही वोट देता है और भाजपा का मतदाता कभी आप के पक्ष में नहीं जाता। उन्होंने कहा कि यह धारणा कांग्रेस के लिए सही हो सकती है, लेकिन आम आदमी पार्टी के लिए नहीं। केजरीवाल ने दिल्ली के चुनावी आंकड़ों का उदाहरण देते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में आप को करीब 52 प्रतिशत वोट मिलते थे, जबकि लोकसभा चुनाव में उसका वोट शेयर करीब 32 प्रतिशत रहा। उनके अनुसार, लोकसभा चुनाव में आप के करीब 20 प्रतिशत कम हुए वोटों का बड़ा हिस्सा भाजपा की ओर गया, जबकि ये मतदाता विधानसभा चुनाव में आप को वोट देते थे। उन्होंने दावा किया कि ये लोग कांग्रेस को वोट नहीं देते। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा से नाराज या असंतुष्ट मतदाताओं का वोट भी कांग्रेस के पक्ष में नहीं जाता। उन्होंने गुजरात का उदाहरण देते हुए कहा कि भाजपा के मजबूत गढ़ में भी आप को भाजपा के मतदाताओं का समर्थन मिला है। उनके मुताबिक, भाजपा का मतदाता आप को वोट देने के लिए तैयार हो सकता है, लेकिन कांग्रेस को वोट नहीं देता। इसी आधार पर उन्होंने आप के अलग चुनाव लड़ने को वोट-कटवा राजनीति बताए जाने को गलतफहमी करार दिया।

## जितनी भाषाएं सीख सकें, सीखें, लेकिन अपनी भाषा न छोड़ें

### -हिंदी दिवस पर अमित शाह ने जेन-जी से की अपील

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
हिंदी दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने युवाओं से अधिक से अधिक भाषाएं सीखने के साथ अपनी मातृभाषा से जुड़े रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाई विविधता उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी ताकत है। हर भाषा अपने साथ इतिहास, लोक परंपराएं और दुनिया को देखने का अलग नजरिया लेकर चलती है और यही विविधता देश में 'विविधता में एकता' की भावना को मजबूत करती है।
अमित शाह ने युवाओं से कहा कि वे दुनिया की जितनी भाषाएं सीख सकते हैं, सीखें, लेकिन अपनी भाषा को न छोड़ें। उन्होंने माता-पिता से भी बच्चों के साथ उनकी मातृभाषा में बातचीत करने की अपील की। शाह ने कहा कि अपनी भाषा बोलने में हीन भावना महसूस करना गलत है। भाषा व्यक्ति को उसकी मां, मिट्टी, इतिहास और संस्कृति से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि हिंदी संवाद, संपर्क और समन्वय की भाषा के तौर पर देश के अलग-अलग समुदायों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। हालांकि, हिंदी का विकास तभी सार्थक है जब वह दूसरी भारतीय भाषाओं के साथ आगे बढ़े। हिंदी किसी अन्य भाषा की प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकात्मता की महत्वपूर्ण कड़ी है।

## फडणवीस सरकार के खिलाफ दीपके ने किया आंदोलन का ऐलान

### - एमपीएससी पेपर लीक और छात्र आत्महत्या बना मुद्दा

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के चीफ अभिजीत दीपके ने महाराष्ट्र में भाजपा नीत फडणवीस सरकार के खिलाफ एक बार फिर आंदोलन छेड़ने का बड़ा ऐलान किया है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ छात्रों के साथ सफल आंदोलन के बाद, दीपके अब महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) द्वारा आयोजित विभिन्न ऑनलाइन परीक्षाओं में पेपर लीक के खिलाफ अपनी पार्टी और छात्रों के साथ मैदान में उतरेंगे। सीजेपी बीते कुछ दिनों से लगातार फडणवीस सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है, और अब पार्टी ने आंदोलन की घोषणा कर दी है।
सीजेपी ने विज्ञप्ति में कहा कि एमपीएससी के अध्यक्ष और सचिव के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन आगे भी जारी रखा जाएगा। पार्टी ने सरकार को अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि अगर 24 सितंबर तक उनकी मांग पूरी नहीं हुई, तो वे एमपीएससी अभ्यर्थियों से बातचीत करने के लिए राज्यव्यापी दौरा भी करेंगे। एमपीएससी अभ्यर्थियों से मुलाकात के बाद दीपके ने एक वीडियो संदेश में कहा, मैं और सीजेपी एमपीएससी अभ्यर्थियों की इस लड़ाई में उनके साथ हैं। हम अभ्यर्थियों के साथ तब तक खड़े रहेंगे, जब तक इस्तीफा नहीं हो जाता। दीपके और अन्य नेता महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित अलग-अलग ऑनलाइन परीक्षाओं में पेपर लीक के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन में शामिल होंगे। इससे पहले के कुछ अभ्यर्थियों ने छत्रपति संभाजीनगर के वालुज इलाके स्थित दीपके के घर पर उनसे मुलाकात भी की थी, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया। इससे पहले अभिजीत दीपके ने करीब एक महीने पहले जंतर-मंतर आंदोलन का सीजन 2 जल्द आने की बात कही थी, जिसमें उन्होंने भाजपा पर युवाओं से डराने का आरोप लगाया था। इस बीच अभिजीत दीपके ने फडणवीस सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे मनोज जरांगे को भी समर्थन दिया। दीपके बीते शुक्रवार को जरांगे से मिलने पहुंचे थे। मुलाकात के बाद उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को उनकी मांगों को समझने के लिए उनसे बातचीत करनी चाहिए। दीपके ने सवाल उठाया, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री क्या कर रहे हैं? वे

अपने बच्चों को पढ़ने के लिए विदेश भेजते हैं, वहीं यहां के स्कूलों का स्तर ठीक नहीं है। उन्होंने सरकार को चेतावनी भी दी कि जरांगे के साथ सोनम वांगचुक जैसा व्यवहार करने की कोशिश न करे, वरना पूरा महाराष्ट्र आंदोलन में शामिल हो जाएगा।

## राज्यसभा सांसदों के दल-बदल से आप को सबक, बनाए कड़े नियम

### -राघव चड्ढा के जाने के बाद सजग हुई आम आदमी पार्टी

**गोवा, एजेंसी।**
आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नेताओं के दल-बदल को लेकर सख्ती बरतने का फैसला किया है। उन्होंने घोषणा की है कि भविष्य में किसी भी नेता को राज्यसभा भेजने से पहले उसकी पूरी तरह से जांच की जाएगी। यह बड़ा बदलाव ऐसे समय में आया है जब आप के सात राज्यसभा सांसदों ने पार्टी बदलकर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है, जिनमें राघव चड्ढा, हरभजन सिंह और स्वाति मालीवाल जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। गोवा में एक कार्यक्रम के दौरान केजरीवाल ने कहा, अब तक हमारे चुने हुए नेताओं ने कभी किसी को भी धोखा नहीं दिया है। उन्होंने गोवा का उदाहरण देते हुए कहा, गोवा में हमारे पास 2022 में दो विधायक थे। भाजपा को सिर्फ एक विधायक की जरूरत थी, लेकिन वे हमारे विधायकों को नहीं तोड़ पाए।
हालांकि, राज्यसभा सांसदों के पार्टी छोड़ने को केजरीवाल ने एक बड़ा सबक बताया

है। उन्होंने कहा, राज्यसभा के मामले में यह हमारे लिए सबक है। अब किसी को भी राज्यसभा भेजने से पहले हम उनकी कड़ी जांच पड़ताल करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि वे सही हैं या नहीं। हालांकि, इस दौरान उन्होंने किसी भी नेता का नाम नहीं लिया। अप्रैल में आप के सात सांसदों ने पार्टी से अलग होकर भाजपा में विलय कर लिया था। राघव चड्ढा के अलावा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, विक्रम साहनी, स्वाती मालीवाल, हरभजन सिंह और राजेंद्र गुप्ता का नाम इसमें शामिल था। इस टूट से पहले भारत के उच्च सदन में आप के सांसदों की संख्या 10 थी, लेकिन दो तिहाई से ज्यादा सदस्यों के अलग होने के बाद महज 3 बचे हैं, जिससे पार्टी को बड़ा झटका लगा है।
हाल ही में आप और राघव चड्ढा के बीच उनके मतदाता सूची में नाम कटने को लेकर जमकर विवाद भी देखने को मिला था। दरअसल, पंजाब में एसआईआर (समरी रिवीजन ऑफ इलेक्टोरल रोल्स) प्रक्रिया के दौरान मसौदा मतदाता सूची से चड्ढा का नाम कट गया था, जिसके आरोप उन्होंने आप सरकार पर लगाए थे। चड्ढा ने कहा था, पंजाब की आप सरकार अब बदले की राजनीति को मसौदा मतदाता सूची तक ले आई है। मैं पंजाब से मौजूदा राज्यसभा सदस्य हूं और मेरा मतदाता पहचान पत्र पंजाब के मोहाली में पंजीकृत है। इसके बावजूद मसौदा मतदाता सूची में मेरे नाम के आगे स्थानांतरित लिखा गया है। उन्होंने आरोप लगाया था कि आप सरकार के अधिकारियों ने ही उनके नाम को स्थानांतरित के तौर पर चिह्नित और सत्यापित किया।इस पर आप ने जवाब देते हुए कहा था, यह सार्वजनिक जानकारी है कि राघव चड्ढा दिल्ली में रह रहे हैं, पंजाब में नहीं। अगर वह अब पंजाब में नहीं रहते हैं तो अपने मतदाता पंजीकरण को बनाए रखना या उसे दूसरी जगह स्थानांतरित करवाना उनकी अपनी जिम्मेदारी थी।

## पीके की मुसलमानों को सलाह- किसी पार्टी का पिछलग्गू बनने की जरूरत नहीं

### -बांकीपुर में अल्पसंख्यक सम्मेलन में बोले प्रशांत किशोर- राजनीति में उचित हिस्सेदारी के लिए समुदाय को खुद संघर्ष करना चाहिए

**पटना, एजेंसी।**
जन सुराज पार्टी के प्रमुख और बांकीपुर विधायक प्रशांत किशोर ने बिहार के मुसलमानों से राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए खुद पहल करने की अपील की है। रविवार को पटना के मुस्लिम बहुल सब्जीबाग इलाके में आयोजित अल्पसंख्यक सम्मेलन में उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय को किसी भी राजनीतिक दल का पिछलग्गू बनने के बजाय राजनीति में अपनी उचित हिस्सेदारी के लिए स्वयं संघर्ष करना चाहिए। प्रशांत किशोर ने हाल के बांकीपुर उपचुनाव में मुस्लिम समुदाय के

समर्थन के लिए आभार जताते हुए कहा कि अब अल्पसंख्यकों के लिए ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करने की कोशिश होनी चाहिए, जिसमें उन्हें लोकतांत्रिक राजनीति में उचित प्रतिनिधित्व मिल सके। उन्होंने कहा कि सभी सामाजिक वर्गों के लोगों को अपने बच्चों के भविष्य की चिंता करनी चाहिए और खुद को हितैषी बताने वाले नेताओं के बहकावे में नहीं आना चाहिए।
बिहार की राजनीति में मुस्लिम मतदाताओं का झुकाव लंबे समय से राष्ट्रीय जनता दल की ओर माना जाता रहा है। हालांकि, बांकीपुर उपचुनाव में मुस्लिम बहुल इलाकों से जन सुराज के पक्ष में बड़ी संख्या में मतदान होने की चर्चा रही है।
बांकीपुर में पहली बार जीती जन सुराज
बांकीपुर विधानसभा सीट पर जन सुराज की जीत को पार्टी के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह चुनाव प्रशांत किशोर की पार्टी द्वारा लड़ा गया पहला चुनाव था, जिसमें उसे जीत मिली। बांकीपुर को लंबे समय से भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है। इससे पहले भाजपा के नितिन नवीन इस सीट से विधायक थे। उनके राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद सीट पर उपचुनाव हुआ, जिसमें प्रशांत किशोर विजयी रहे।

## सहारा रिफंड पोर्टल फिर सक्रिय- फंसे पैसे के लिए इस तरह से करे ऑनलाइन आवेदन

### -जान लें क्या हैं जरूरी दस्तावेज

**नई दिल्ली,, एजेंसी।**
उन लाखों निवेशकों के लिए बड़ी राहत की खबर है, जिनका पैसा सहारा समूह की विभिन्न योजनाओं में फंसा हुआ है। केंद्र ने सहारा रिफंड पोर्टल को फिर सक्रिय कर दिया है, जिससे करीब 20 लाख लंबित दावों की जांच प्रक्रिया फिर से शुरू हुई है। इसके साथ ही, अब अन्य पात्र जमाकर्ता भी अपना पैसा वापस पाने के लिए ऑनलाइन क्लेम कर सकते हैं। यदि आपका भी पैसा सहारा में अटका हुआ है, तब ये खबर आपको घर बैठे क्लेम करने की पूरी प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देगा।
केंद्र सरकार के सहकारिता मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इस पोर्टल के माध्यम से अब तक करीब 42 लाख जमाकर्ताओं को 9,267 करोड़ रुपये की राशि सफलतापूर्वक लौटाई गई। यह पोर्टल मुख्य रूप से सहारा समूह की चार प्रमुख सहकारी समितियों सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी, सहारायन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज सोसाइटी, हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी और स्टार्स मल्टीपर्पज कोऑपरेटिव सोसाइटी के पात्र निवेशकों को ही रिफंड दिलाने के लिए बनाया गया है।
ऑनलाइन क्लेम दर्ज होने के बाद, सत्यापन की व्यवस्थित प्रक्रिया शुरू होगी। सहारा ग्रुप ऑफ कोऑपरेटिव सोसाइटीज निवेशकों के दावों और संलग्न दस्तावेजों की 30 दिनों के भीतर गहन स्क्रूटनी करेगी। इस प्रारंभिक जांच के बाद, अगले 15 दिनों में सरकारी तंत्र द्वारा अंतिम मंजूरी मिलेगी। इस तरह, आपके आवेदन की तारीख से कुल 45 दिनों के अंदर आपके दावे की स्थिति के बारे में आपको सूचित किया जाएगा। यदि दावा सही साबित और स्वीकृत होता है, तब धनराशि सीधे निवेशक के आधार से जुड़े बैंक खाते में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से ट्रांसफर की जाएगी। यह सुनिश्चित करता है कि पैसा सीधे सही लाभार्थी तक पहुंचे।
रिफंड फॉर्म भरते समय किसी भी प्रकार की त्रुटि या विलंब से बचने के लिए, सभी आवश्यक दस्तावेजों को पहले से स्कैन करके तैयार रखना जरुरी है। क्लेम के लिए निवेशक का आधार कार्ड, आधार से लिंक एक सक्रिय मोबाइल नंबर और आधार से जुड़ा बैंक खाता नंबर अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, सहारा सोसाइटी में पैसा जमा करते समय प्राप्त हुई मूल रसीद, पासबुक की प्रति या निवेश प्रमाण पत्र (जैसे बॉन्ड) आदि भी अपलोड करने पड़ सकते हैं। दस्तावेजों में दर्ज सदस्यता संख्या, अकाउंट नंबर और जमाकर्ता का नाम, उसके आधार कार्ड

से पूरी तरह मेल खाना चाहिए। यदि मूल जमाकर्ता का निधन हो चुका है, तब कानूनी उत्तराधिकारी या नॉमिनी को अपने संबंधित कानूनी दस्तावेज और मृत्यु प्रमाण पत्र पोर्टल पर अपलोड करना होगा। नाम या बैंक विवरण में किसी भी प्रकार की गलती या विसंगति आपके रिफंड को रोक सकती है, इसलिए पोर्टल पर जानकारी अपलोड करने से पहले अपने सभी कागजात और विवरणों की अच्छी तरह जांच कर लें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# शांति, स्वतंत्रता और समानता का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र

(लेखक - ललित गर्ग )

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस, 15 सितंबर 2026)

लोकतंत्र केवल मतपत्र पर लगाई गई मुहर का नाम नहीं है। यह उस विश्वास का नाम है जिसमें प्रत्येक नागरिक को अपनी आवाज, अपनी गरिमा और अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र-निर्माण में सहभागी होने का अवसर मिलता है। एक तरह से शांति, स्वतंत्रता, समानता एवं सह-जीवन का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र। हर वर्ष 15 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस इसी लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर-संसदीय संघ-आईपीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए 'मानवाधिकारों को केंद्र में लाएं' को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा।

आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं? संयुक्त राष्ट्र भी 2026 में लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार, कानून के शासन और नागरिकों की सार्थक भागीदारी को उसकी अनिवार्य आत्मा मान रहा है। लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। लेकिन इसकी कमजोरी भी यहीं से शुरू होती है। जब जनता अपनी जिम्मेदारी भूल जाती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक रहते हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति उदासीन हो जाते हैं, जब चुनाव जाति, धर्म, क्षेत्र, धनबल, बाहुबल या झूठे प्रचार के प्रभाव में आने लगते हैं, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा तो बचा रहता है, लेकिन उसकी आत्मा कमजोर होने लगती है।

आज दुनिया के अनेक देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर दबाव दिखाई देता है तथा सत्ता के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति कई समाजों में चिंता का कारण बन रही है। लोकतंत्र के नाम पर चुनाव हो जाना पर्याप्त नहीं है। यदि चुनाव के बाद नागरिकों की आवाज को महत्व न मिले, विपक्ष को शत्रु समझा जाए, मीडिया स्वतंत्र न रहे, न्यायपालिका पर दबाव हो और सत्ता जवाबदेही से मुक्त होने लगे, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे बहुमत की निरंकुशता में बदल सकता है। महात्मा गांधी का लोकतंत्र संबंधी चिंतन आज भी इस संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा था- 'मेरे विचार में लोकतंत्र में सबसे कमजोर व्यक्ति को वही अवसर मिलना चाहिए जो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति को मिलता है।' गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे। उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता।

विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ 'लोकतंत्र शासन की सबसे खराब प्रणाली है, उन सभी प्रणालियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है।' यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की क्षमता है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है-सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण। जहाँ सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसा, क्रांति या रक्तपात की आवश्यकता नहीं पड़ती और मतदाता अपनी इच्छा से सरकार बदल सकता है, वहाँ लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं। लेकिन इसके लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और सक्रिय नागरिक समाज आवश्यक हैं।

आज लोकतंत्र के सामने एक नई और जटिल चुनौती कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और डिजिटल तकनीक के रूप में भी सामने आई है। तकनीक लोकतंत्र को अधिक सहभागी और पारदर्शी बना सकती है। सरकारी योजनाओं की निगरानी, नागरिक शिकायतों के समाधान, नीति-निर्माण में आंकड़ों के उपयोग और जनता की राय को शासन तक पहुंचाने में एआई उपयोगी हो सकता है। लेकिन यही तकनीक गलत सूचना, डीपफेक, लक्षित दुष्प्रचार, हेट स्पीच और जनमत को प्रभावित करने का माध्यम भी बन सकती है। संयुक्त राष्ट्र ने भी एआई की इन संभावनाओं और जोखिमों के बीच संतुलन तथा उसके जिम्मेदार शासन की आवश्यकता पर बल दिया है। इसलिए लोकतंत्र का डिजिटल भविष्य केवल तकनीकी क्षमता से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि तकनीक के पीछे मानवीय विवेक कितना मजबूत है। एआई लोकतंत्र का विकल्प नहीं, लोकतांत्रिक विवेक का सहायक होना चाहिए। तकनीक नागरिक को नियंत्रित करने का उपकरण नहीं, नागरिक को सशक्त करने का माध्यम बने-यही लोकतांत्रिक तकनीकी संस्कृति की कसौटी होनी चाहिए।

लोकतंत्र की दूसरी बड़ी आवश्यकता है संवाद की संस्कृति। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। सरकार से प्रश्न पूछना राष्ट्र-विरोध नहीं; विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र-विरोध नहीं; मीडिया द्वारा सत्ता से जवाब मांगना व्यवस्था-विरोध नहीं। बल्कि यही लोकतंत्र की जीवंतता के प्रमाण हैं। जब असहमति को दबाया जाता है, तब लोकतंत्र का संवाद समाप्त होता है और उसके स्थान पर भय जन्म लेता है। इसीलिए लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए राजनीतिक दलों में भी आंतरिक लोकतंत्र जरूरी है। जो राजनीतिक संगठन अपने भीतर विचार-विमर्श, पारदर्शिता और नेतृत्व परिवर्तन की स्वस्थ परंपरा नहीं रखते, वे व्यापक समाज में लोकतांत्रिक संस्कार कैसे विकसित कर सकते हैं? लोकतंत्र की शुरुआत संसद से पहले राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के भीतर होनी चाहिए।

साथ ही लोकतंत्र को केवल राष्ट्रीय सत्ता तक सीमित रखना भी उचित नहीं। पंचायत, नगर निकाय और स्थानीय संस्थाएं लोकतंत्र की वास्तविक पाठशाला हैं। जिस लोकतंत्र में गांव का नागरिक अपने स्थानीय निर्णयों में सहभागी नहीं है, उसमें लोकतंत्र का विकेंद्रीकरण अधूरा है। गांधी का ग्राम स्वराज इसी व्यापक लोकतांत्रिक दृष्टि का प्रतीक था-सत्ता का प्रवाह ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर की ओर हो।

लोकतंत्र की सफलता के लिए नागरिकों को भी यह समझना होगा कि अधिकारों के साथ कर्तव्य जुड़े हैं। मतदान करना ही नागरिकता की पूर्ण जिम्मेदारी नहीं है। सही सूचना प्राप्त करना, संविधान और कानून का सम्मान करना, करों का ईमानदारी से भुगतान करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, सामाजिक सद्भाव बनाए रखना और गलत नीतियों के विरुद्ध शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना भी नागरिक धर्म है। अंततः लोकतंत्र कोई तैयार होकर मिल जाने वाली व्यवस्था नहीं, बल्कि निरंतर साधना है। उसे हर पीढ़ी को अपने आचरण, संस्थाओं और सार्वजनिक जीवन के माध्यम से मजबूत करना पड़ता है। लोकतंत्र तभी सार्थक है जब सत्ता जनता के प्रति जवाबदेह हो, संस्थाएं स्वतंत्र हों, मानवाधिकार सुरक्षित हों, कमजोर को न्याय मिले, असहमति का सम्मान हो और नागरिकों को यह विश्वास हो कि शासन वास्तव में उनके कल्याण के लिए है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विविधता और जनभागीदारी का अद्भुत उदाहरण है। विशाल जनसंख्या, भाषाई-सांस्कृतिक विविधता और अनेक राजनीतिक विचारधाराओं के बावजूद भारत ने संविधान, सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार और स्वतंत्र निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था को निरंतर मजबूत किया है। सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण, स्वतंत्र न्यायपालिका, जीवंत संसद, सक्रिय मीडिया और मजबूत नागरिक समाज इसकी लोकतांत्रिक शक्ति के प्रमुख आधार हैं। भारत का लोकतंत्र यह संदेश देता है कि विविधता विभाजन नहीं, शक्ति बन सकती है। इसकी वास्तविक मजबूती तभी कायम रहेगी, जब नागरिक अधिकारों के साथ कर्तव्य, सहिष्णुता, संवाद, पारदर्शिता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति आस्था को भी सर्वोच्च महत्व दिया जाए।

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस हमें इसी आत्ममंथन का अवसर देता है। आज आवश्यकता केवल लोकतंत्र को बचाने की नहीं, बल्कि उसे अधिक मानवीय, अधिक सहभागी, अधिक पारदर्शी और अधिक जवाबदेह बनाने की है। मानवाधिकार उसकी बुनियाद हैं, जनभागीदारी उसकी शक्ति है, संवाद उसकी आत्मा है और जवाबदेही उसकी सुरक्षा-कवच। जब तकनीक मानवीय करुणा से जुड़ेगी, सत्ता नैतिकता से बंधेगी और जनता अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक होगी, तभी लोकतंत्र अपने आदर्श रूप को प्राप्त कर सकेगा। 'लोकतंत्र की असली विजय तब होगी, जब सबसे शक्तिशाली नागरिक और सबसे कमजोर नागरिक-दोनों को न्याय, सम्मान, अवसर और अपनी आवाज की समान कीमत महसूस हो। यही लोकतंत्र का सार है और यही उसके भविष्य की सबसे बड़ी गारंटी भी।'

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

## संपादकीय

## मां बोली भरे झोली

भारतीय नौनिहालों की बड़ी विडंबना है कि वे जब इस दुनिया में आंख खोलते हैं तो मां बोली से उनका परिचय होता है। घर में मां प्यार से जिस भाषा में बच्चे से लाड़ करती है और स्नेह उंडेलती है, वह उस बच्चे की मां बोली होती है। वह पंजाबी भी हो सकती है या तमिल आदि भी। उस भाषा में उसके पुरखों की सदियों से संरक्षित विरासत होती है। उसके रक्त में उसके प्रति सम्मोहन होता है। बच्चा बड़ा होता है तो आस-पड़ोस के बच्चों से उसका हिंदी या राज्य की भाषा में संवाद होता है। उसके लिए यह नई भाषा होती है। उसमें मां बोली जैसी सहजता और सरलता नहीं होती, लेकिन वह उसे सीखता है। दोस्तों के बीच खुद को अभिव्यक्त करता है। फिर स्कूल पहुंचता है तो उसे हिंदी के बाद अंग्रेजी से रूबरू होना पड़ता है। जाहिर है, यह वह भाषा होती है जो आमतौर पर उसके मां-बाप या दादा-दादी नहीं बोलते। लेकिन उस पर उसे सीखने और बोलने का दबाव होता है। अपनी जिस ऊर्जा को बच्चा सीखने और नया ज्ञान खोजने में लगा सकता है, उसे अपनी सारी ऊर्जा भाषायी जंजाल से उबरने में लगानी पड़ती है। यदि बच्चा अपनी मां बोली या हिंदी में अपनी पढ़ाई करता तो उसकी वास्तविक ऊर्जा और समय नया ज्ञान अर्जित करने में लगते। निश्चय ही यह भाषायी व्यवधान उसकी नैसर्गिक विकास गति को प्रभावित करते हैं। क्या कभी भाषा पर राजनीति करने वाले राजनेताओं ने बच्चों की इस समस्या पर संवेदनशील ढंग से विचार किया है? गंभीर और शोचनीय स्थिति यह है कि जब बच्चा गांव से पढ़कर उच्च शिक्षा के लिए शहर जाता है तो यह भाषायी अवरोध उसकी प्रगति को बाधित करता है। निस्संदेह, गांव से आने वाला बच्चा फर्राटेदार अंग्रेजी नहीं बोल सकता। समाज की आर्थिक विषमता ने शिक्षा व्यवस्था में भी गहरा विभाजन पैदा किया है। एक तरफ पांच सितारा पब्लिक स्कूल हैं, जिन्हें समाज के धनाढ्य लोगों द्वारा राजनीतिक संरक्षण में संचालित किया जाता है। वहां सोने-चांदी की चम्मच लेकर पैदा हुए बच्चों को दाखिला मिलता है। दाखिला लेना उनकी अपनी नहीं, बल्कि उनके माता-पिता की योग्यता होती है, क्योंकि वे मोटी फीस भरते हैं। इस भेड़चाल में मध्यवर्गीय लोगों के बच्चे भी शामिल होते हैं, लेकिन अपने माता-पिता के नौकरी में खटने और कर्ज लेने की कीमत पर। इसमें गांव के उस कुशाग्र बुद्धि के बच्चे का क्या कसूर है, जिसे इन पांच सितारा स्कूलों में पढ़ने का मौका नहीं मिल सका? उसके मां-बाप इतना पैसा नहीं दे सके। फिर यह विभाजन आगे चलकर तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं में भी नजर आता है। अंग्रेजीदां अधिकारियों की प्राथमिकता अक्सर अंग्रेजी माध्यम से पढ़े छात्र ही होते हैं। यह भाषायी विभाजन एक स्वस्थ प्रतियोगिता को रोक देता है, जिसका त्रास बच्चा जीवनभर झेलता है। उसके भविष्य और सामाजिक हैसियत का निर्धारण केवल भाषा करने लगती है। खबरें आती हैं कि देश के शीर्ष शिक्षण संस्थानों आईआईटी और आईआईएम पहुंचने वाले वे छात्र पाठ्यक्रम से सामंजस्य नहीं बना पाते, जो हिंदीभाषी और क्षेत्रीय भाषा वाले स्कूलों से आते हैं।

# संस्कृति, संवाद और आत्मगौरव का उत्सव है हिन्दी दिवस

शांति, स्वतंत्रता और समानता का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र (लेखक - ललित गर्ग /ईएमएस)

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस, 15 सितंबर 2026)

लोकतंत्र केवल मतपत्र पर लगाई गई मुहर का नाम नहीं है। यह उस विश्वास का नाम है जिसमें प्रत्येक नागरिक को अपनी आवाज, अपनी गरिमा और अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र-निर्माण में सहभागी होने का अवसर मिलता है। एक तरह से शांति, स्वतंत्रता, समानता एवं सह-जीवन का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र। हर वर्ष 15 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस इसी लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर-संसदीय संघ-आईपीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए 卐मानवाधिकारों को केंद्र में लाएं卐 को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा।

आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं? संयुक्त राष्ट्र भी 2026 में लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार, कानून के शासन और नागरिकों की सार्थक भागीदारी को उसकी अनिवार्य आत्मा मान रहा है। लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। लेकिन इसकी कमजोरी भी यहीं से शुरू होती है। जब जनता अपनी जिम्मेदारी भूल जाती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक रहते हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति उदासीन हो जाते हैं, जब चुनाव जाति, धर्म, क्षेत्र, धनबल, बाहुबल या झूठे प्रचार के प्रभाव में आने लगते हैं, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा तो बचा रहता है, लेकिन उसकी आत्मा कमजोर होने लगती है।

आज दुनिया के अनेक देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर दबाव दिखाई देता है तथा सत्ता के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति कई समाजों में चिंता का कारण बन रही है। लोकतंत्र के नाम पर चुनाव हो जाना पर्याप्त नहीं है। यदि चुनाव के बाद नागरिकों की आवाज को महत्व न मिले, विपक्ष को शत्रु समझा जाए, मीडिया स्वतंत्र न रहे, न्यायपालिका पर दबाव हो और सत्ता जवाबदेही से मुक्त होने लगे, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे बहुमत की निरंकुशता में बदल सकता है। महात्मा गांधी का लोकतंत्र संबंधी चिंतन आज भी इस संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा था- 卐मेरे विचार में लोकतंत्र में सबसे कमजोर व्यक्ति को वही अवसर मिलना चाहिए जो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति को मिलता है।卐 गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे। उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता।

विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ 卐लोकतंत्र शासन की सबसे खराब प्रणाली है, उन सभी प्रणालियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है।卐 यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की क्षमता है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है-सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण। जहाँ सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसा, क्रांति या रक्तपात की आवश्यकता नहीं पड़ती और मतदाता अपनी इच्छा से सरकार बदल सकता है, वहाँ लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं। लेकिन इसके लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और सक्रिय नागरिक समाज आवश्यक हैं।

आज लोकतंत्र के सामने एक नई और जटिल चुनौती कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और डिजिटल तकनीक के रूप में भी सामने आई है। तकनीक लोकतंत्र को अधिक सहभागी और पारदर्शी बना सकती है। सरकारी योजनाओं की निगरानी, नागरिक शिकायतों के समाधान, नीति-निर्माण में आंकड़ों के उपयोग और जनता की राय को शासन तक पहुंचाने में एआई उपयोगी हो सकता है। लेकिन यही तकनीक गलत सूचना, डीपफेक, लक्षित दुष्प्रचार, हेट स्पीच और जनमत को प्रभावित करने का माध्यम भी बन सकती है। संयुक्त राष्ट्र ने भी एआई की इन संभावनाओं और जोखिमों के बीच संतुलन तथा उसके जिम्मेदार शासन की आवश्यकता पर बल दिया है। इसलिए लोकतंत्र का डिजिटल भविष्य केवल तकनीकी क्षमता से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि तकनीक के पीछे मानवीय विवेक कितना मजबूत है। एआई लोकतंत्र का विकल्प नहीं, लोकतांत्रिक विवेक का सहायक होना चाहिए। तकनीक नागरिक को नियंत्रित करने का उपकरण नहीं, नागरिक को सशक्त करने का माध्यम बने-यही लोकतांत्रिक तकनीकी संस्कृति की कसौटी होनी चाहिए।

लोकतंत्र की दूसरी बड़ी आवश्यकता है संवाद की संस्कृति। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। सरकार से प्रश्न पूछना राष्ट्र-विरोध नहीं; विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र-विरोध नहीं; मीडिया द्वारा सत्ता से जवाब मांगना व्यवस्था-विरोध नहीं। बल्कि यही लोकतंत्र की जीवंतता के प्रमाण हैं। जब असहमति को दबाया जाता है, तब लोकतंत्र का संवाद समाप्त होता है और उसके स्थान पर भय जन्म लेता है। इसीलिए लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए राजनीतिक दलों में भी आंतरिक लोकतंत्र जरूरी है। जो राजनीतिक संगठन अपने भीतर विचार-विमर्श, पारदर्शिता और नेतृत्व परिवर्तन की स्वस्थ परंपरा नहीं रखते, वे व्यापक समाज में लोकतांत्रिक संस्कार कैसे विकसित कर सकते हैं? लोकतंत्र की शुरुआत संसद से पहले राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के भीतर होनी चाहिए। साथ ही लोकतंत्र को केवल राष्ट्रीय सत्ता तक सीमित रखना भी उचित नहीं। पंचायत, नगर निकाय और स्थानीय संस्थाएं लोकतंत्र की वास्तविक पाठशाला हैं। जिस लोकतंत्र में गांव का नागरिक अपने स्थानीय निर्णयों में सहभागी नहीं है, उसमें लोकतंत्र का विकेंद्रीकरण अधूरा है। गांधी का ग्राम स्वराज इसी व्यापक लोकतांत्रिक दृष्टि का प्रतीक था-सत्ता का प्रवाह ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर की ओर हो।

लोकतंत्र की सफलता के लिए नागरिकों को भी यह समझना होगा कि अधिकारों के साथ कर्तव्य जुड़े हैं। मतदान करना ही नागरिकता की पूर्ण

# जहाँ शांति है वही सुख

यदि हमारे पास दुनिया का पूरा वैभव और सुख-साधन उपलब्ध है परंतु शांति नहीं है तो हम भी आम आदमी की तरह ही हैं। संसार में मनुष्यों द्वारा जितने भी कार्य अथवा उद्यम किए जा रहे हैं सबका एक ही उद्देश्य है शांति। सबसे पहले तो हमें ये जान लेना चाहिए कि शांति क्या है? शांति का केवल अर्थ यह नहीं कि केवल मुख से चुप रहें अपितु मन का चुप रहना ही सच्ची सुख-शांति का आधार है। कहते हैं कि जहाँ शांति है वहाँ सुख है। अर्थात सुख का शांति से गहरा नाता है। लड़ाई, दुख और लालच को भंग करने के लिए शांति सशक्त औजार है। कई लोग कहते हैं कि बिना इसके शांति नहीं हो सकती। इसके साथ ही भौतिक सुख-साधनों तथा अन्य संसाधनों से शांति होगी यह कहना भी गलत है। यदि इससे ही शांति हो जाती तो हम मंदिर आदि के चक्कर नहीं लगाते। धन-दौलत और संपदा से संसाधन खरीदे जा सकते हैं परंतु शांति नहीं। हम यही सोचते रह जाते हैं कि यह कर लूँगा तो शांति मिल जाएगी। आवश्यकताओं को पूरा करते-करते पूरा समय निकल जाता है और न तो शांति मिलती है और न ही खुशी। खुशहाल पारिवारिक जीवन के लिए जरूरी है कि पहले शांति रहे। जहाँ शांति है वहाँ विकास है। जहाँ विकास है वहाँ सुख है। इसलिए अमूल्य शांति के लिए सबसे पहले हमें अपने आप को देखना होगा। अपने बारे में जानना होगा। मैं कौन हूं, कहाँ से आया हूं और हमारे अंदर कौन-कौन सी शक्तियाँ हैं जो हम अपने अंदर ही प्राप्त कर सकते हैं। शांति का सागर परमात्मा है। हम आत्माएँ परमात्मा की संतान हैं। जब हमारे अंदर शांति आएगी तो हमारा विकास होगा। जब विकास होगा तो वहाँ सुख का साम्राज्य होगा। यह प्रक्रिया बिल्कुल सरल और सहज है जिसके जरिए हम यह जान और पहचान सकते हैं। वर्तमान समय अशांति और दुख के भयानक दौर से गुजर रहा है। ऐसे में जरूरत है कि हम अपने धर्म और शाश्वत सत्य को स्वीकारते हुए शांति के सागर परमात्मा से अपने तार जोड़ें। ताकि हमारे भीतर शांति का खजाना मिले। इससे हमारे अंदर शांति तो आएगी ही साथ ही हम दूसरों को भी शांति प्रदान कर सकेंगे।

# महंगाई और कर्ज की मार से आम आदमी हलाकान

(लेखक- सनत जैन )

भारत में कर्ज और महंगाई की मार से आम आदमी बुरी तरह से परेशान है। इसमें कोई राहत मिलती हुई दिख नहीं रही है। उल्टे महंगा कर्ज और ईएमआई बढ़ने से आम आदमी बहुत परेशान हैं। हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया रिसर्च की एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें कहा गया है महंगाई को देखते हुए रिजर्व बैंक आफ इंडिया आने वाले समय में रेपो रेट और भी बढ़ा सकता है। रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट बढ़ने का असर सबसे ज्यादा आम आदमियों की ईएमआई और कर्ज के रूप में पड़ेगा। आम आदमी के ऊपर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता चला जा रहा है। नियमित खर्चे के लिए उसे कर्ज का सहारा लेना पड़ रहा है। महंगाई हर महीने बढ़ती चली जा रही है। महंगाई पर सरकार का कोई अंकुश नहीं है। लगता है आम आदमी को कारोबारियों के भरोसे छोड़ दिया गया है। बाजार में मुनाफाखोरी लगातार बढ़ती चली जा रही है। स्टेट बैंक की जो रिपोर्ट जारी हुई है, उसके अनुसार जनवरी 2026 तक 22 वस्तुओं तक महंगाई सीमित थी अब वह बढ़कर 53 वस्तुओं पर पहुंच गई है। पेट्रोल, डीजल, गैस, दवाइयां और इलेक्ट्रॉनिक की लागत बढ़ने से इनकी कीमतें भी लगातार बढ़ रही हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में क्रूड आइल की कीमत बढ़ने से इसका असर हर क्षेत्र में महंगाई बढ़ने के तौर पर हो रहा है। हाल ही में खाडी देशों के तीनों मार्गो से जहाजों की आवाजाही बंद है। अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता होता हुआ नजर नहीं आ रहा है। हुती हमले के बाद स्थितियां और भी नाजुक होती चली जा रही हैं। महंगाई, कर्ज और बेरोजगारी के साथ-साथ अब आर्थिक मंदी का संकट भी बड़ी तेजी के साथ गहरा रहा है। इसका असर वैश्विक स्तर पर हो रहा है। भारत में जिस तरह से महंगाई बढ़ती चली जा रही है, सरकार मुनाफाखोरी और महंगाई को रोकने की दिशा में ऐसा कोई प्रयास करती हुई नहीं दिख रही है, जिससे ऐसा लगे कि सरकार को आम आदमी की चिंता है। जिसके कारण अब आम जनता में तनाव भी देखने को मिल रहा है। भारत में पिछले वर्षों में कर्ज लेकर खर्च करने की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बड़ी है। आम आदमी के ऊपर ब्याज और ईएमआई का दबाव लगातार बढ़ता चला जा रहा है, ऐसी स्थिति में रिजर्व बैंक की रेपो रेट को बढ़ाने से इसका असर गरीब और मध्यम वर्ग पर बड़े पैमाने पर होगा। महंगाई के कारण आम आदमी अपने रोजाना के खाने-पीने के खर्च और शिक्षा के खर्चे पूरे नहीं कर पा रहा है। महंगाई के कारण किचन में तेल और जरूरी सामान कम होते चले जा रहे हैं। बच्चों को पोषण आहार भी नहीं मिल पा रहा है।

लोगों को लगता था सरकार महंगाई और मुनाफाखोरी पर नियंत्रण करेगी, लेकिन नियंत्रण के स्थान पर जिस तरह से कीमत बढ़ रही है और ब्याज दर भी बढ़ती चली जा रही है। ईएमआई में डिफॉल्ट होने के कारण एनबीएफसी कंपनियों और बैंकों द्वारा मनमाना ब्याज और जुर्माना वसूल किया जा रहा है। जिसके कारण आम आदमी की नाराजी लगातार बढ़ती चली जा रही है।

सरकार को समय रहते इस दिशा में उपयुक्त कार्रवाई करने की जरूरत है। जिस तरीके से लोग परेशान हैं, महंगाई के कारण रोजाना तनाव मे जीना पड़ रहा है। जरूरी खर्च के लिए अब उसे कर्ज भी नहीं मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार को ठोस कदम उठाने की जरूरत है। महंगाई और मुनाफाखोरी दोनों पर ही समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो हालत बद से बदतर हो सकते हैं। जिस तरह के हालात 1975 में बने थे। इस तरह के हालात अब बनते हुए दिख रहे हैं। जिन्होंने आपातकाल के पहले की महंगाई और मुनाफाखोरी को देखा है। उस समय के लोगों का कहना है, वर्तमान हालात उससे भी खराब हैं। स्थितियां अभी भी नियंत्रण में नहीं है। कच्चे तेल के दाम लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं, कहा जा रहा है कि 120 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच सकते हैं। ऐसी स्थिति में महंगाई को काबू में कर पाना सरकार के लिए और भी मुश्किल होगा। बेरोजगारी और काम नहीं होने के कारण आम आदमी की हालत वैसे ही खराब है।

महंगाई ने जीना पूरी तरह से हराम कर दिया है। छोटे बच्चों को अब दूध भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण मध्यम और निम्न वर्ग के परिवारों में गुस्सा बढ़ता चला जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## कैंसर से आंखों की दवा तक, ल्यूपिन का बड़ा दांव!

**बायोसिमिलर कारोबार के लिए 700 करोड़ रुपए निवेश करेगी कंपनी**

**नई दिल्ली ।**

फार्मा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी ल्यूपिन बायोसिमिलर खंड में अपनी स्थिति मजबूत करने और वैश्विक बाजारों में अपना विस्तार करने की तैयारी में है। कंपनी का लक्ष्य अगले पांच साल के भीतर बायोसिमिलर उत्पादों से लगभग 50 करोड़ डॉलर (लगभग 4,150 करोड़ रुपए) का कुल कारोबार हासिल करना है। यह जानकारी कंपनी के कार्यकारी निदेशक ने दी। ल्यूपिन ने अमेरिका में कैंसर की दवा पेगफिल्ग्रास्टिम का बायोसिमिलर दिसंबर 2025 तक लॉन्च करने के लिए यूएसएफडीए से पहली मंजूरी प्राप्त कर ली है। आंखों की दवा रैनिबिजुमैब को भी अमेरिका, यूरोप और जापान जैसे प्रमुख बाजारों में पेश किया जाएगा। स्वामीनाथन ने बताया कि ल्यूपिन भारत में कैंसर की दवाओं निवोलुमैब, डिनुजुमैब और पर्टुजुमैब के बायोसिमिलर लाने की योजना बना रही है। कंपनी पहले से ही यूरोप और जापान में साझेदारी के माध्यम से ऑटोइम्यून संबंधी बीमारी की दवा एटैनरसेप्ट के बायोसिमिलर जैसे उत्पाद बेच रही है। इस विस्तार के लिए, ल्यूपिन ने अब तक बायोसिमिलर उत्पादन क्षमता में लगभग 500 करोड़ रुपये का निवेश किया है और इसे बढ़ाकर लगभग 700 करोड़ रुपये करने की योजना है।

## केईसी इंटरनेशनल को 1303 करोड़ के नए वैश्विक ठेके मिले

**टीएंडडी कारोबार को भारत, पश्चिम एशिया और अमेरिका में मिलीं महत्वपूर्ण परियोजनाएं**

नई दिल्ली (ईएमएस)। आरपीजी समूह की अग्रणी कंपनी केईसी इंटरनेशनल ने सोमवार को विभिन्न कारोबारों में 1,303 करोड़ रुपये के नए ठेके हासिल करने की घोषणा की। ये ठेके पारेषण एवं वितरण (टीएंडडी) और केबल व कंडक्टर क्षेत्रों में कंपनी की वैश्विक उपस्थिति को और सुदृढ़ करते हैं। कंपनी के बयान के अनुसार टीएंडडी कारोबार को भारत में एक निजी जलविद्युत संयंत्र की बिजली निकासी के लिए 400 किलोवाट की पारेषण लाइन, सऊदी अरब में 380 किलोवाट की पारेषण लाइन तथा अमेरिका में टावर, हार्डवेयर एवं पोल की आपूर्ति के ठेके मिले हैं। वहीं, केबल एवं कंडक्टर कारोबार ने भी घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कई अनुबंध प्राप्त किए हैं।

केईसी इंटरनेशनल के एक अे धिकारी ने कहा कि ये ठेके पश्चिम एशिया में कंपनी की मौजूदगी को मजबूत करते हैं और टीएंडडी कारोबार की संभावनाएं प्रबल बनी हुई हैं। उन्होंने बताया कि इन नवीनतम ठेकों से चालू वित्त वर्ष में अब तक कुल ऑर्डर 7,600 करोड़ रुपये से अधिक हो गए हैं, जो कंपनी की लक्षित वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं। आरपीजी समूह की प्रमुख इकाई केईसी इंटरनेशनल, वैश्विक स्तर पर 110 से अधिक देशों में बुनियादी ढांचा क्षेत्र की इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) सेवाओं में अग्रणी है।

## छोटे शहरों पर सिट्रोन की नजर

**5 साल में बिक्री का 75 फीसदी यहीं से लाने का लक्ष्य**

नई दिल्ली (ईएमएस)। सिट्रोन भारत में अपनी बिक्री का बड़ा हिस्सा अब छोटे और मझोले शहरों से लाने की तैयारी में है। अगले पांच साल में कंपनी की कुल बिक्री का तीन-चौथाई इन शहरों से आने का अनुमान है, जो अभी 55 प्रतिशत है। स्टेलंटिस इंडिया के एक अे धिकारी ने बताया कि बाजार का रुझान इन्हीं शहरों की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि भारत में कार खरीदने वाले ग्राहकों की बड़ी संख्या अब छोटे और मझोले शहरों की ओर बढ़ रही है, जिसके मद्देनजर सिट्रोन अपनी रणनीति बदल रही है। स्टेलंटिस के दूसरे ब्रांड जीप का फोकस मेट्रो शहरों पर बना रहेगा। सिट्रोन देश भर में एक जैसा डीलरशिप मॉडल अपनाने की बजाय, हर बाजार की क्षमता के अनुसार खुदरा नेटवर्क तैयार करेगी। कंपनी का लक्ष्य सिर्फ आउटलेट की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि ग्राहकों तक अपनी पहुंच 60 फीसदी से बढ़ाकर 75 फीसदी तक ले जाना है। इसके लिए छोटे शहरों में एक-कार शोरूम और छोटी सर्विस सुविधाओं जैसे लचीले मॉडल अपनाए जाएंगे, जिन्हें मांग के अनुसार बढ़ाया जा सकेगा।

यह विस्तार ऐसे समय हो रहा है जब चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में सिट्रोन की बिक्री में 15-20 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। हालांकि, यह पिछले वित्त वर्ष की उच्च वृद्धि (60 फीसदी से कम) से कम होगी, जिसका कारण पिछले साल सितंबर में वाहनों पर जीएसटी कटौती के बाद बनी उच्च आधार प्रभाव है। हजेला ने कहा कि सिट्रोन की बिक्री वाहन अपग्रेड के कारण अच्छी रही है, जबकि स्टेलंटिस का दूसरा ब्रांड जीप उतना बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाया है।

## गणेश चतुर्थी पर शेयर बाजार बंद, कमोडिटी में शाम से कारोबार

**धार्मिक पर्व के चलते इक्विटी और डेरिवेटिव्स मार्केट में पूरे दिन छुट्टी रहेगी**

**मुंबई ।**

देशभर में 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी का पावन पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस धार्मिक महत्व के दिन के चलते भारतीय शेयर बाजार सोमवार को पूरे दिन बंद रहेंगे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स सहित सभी सेगमेंट में कारोबार नहीं होगा, जिससे निवेशकों को मंगलवार तक इंतजार करना होगा। शेयर बाजार में गणेश चतुर्थी के कारण ट्रेडिंग पूरी तरह से बंद रहेगी, जिसका अर्थ है कि निवेशक इक्विटी शेयरों की खरीद या बिक्री नहीं कर पाएंगे। उन्हें अगले कारोबारी दिन यानी मंगलवार, 15 सितंबर का इंतजार करना होगा। यह छुट्टी शेयर बाजार के हॉलिडे कैलेंडर में शामिल है। हालांकि, कमोडिटी मार्केट (एमसीएक्स) में नियम थोड़े अलग हैं। यहां सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक कारोबार बंद रहेगा, लेकिन शाम के सेशन में ट्रेडिंग फिर से शुरू हो जाएगी, जो सामान्य तौर पर रात 11:30 बजे तक चलेगी। यह छुट्टी ऐसे समय में आई है जब शेयर बाजार पिछले हफ्ते लगातार पांचवें दिन गिरावट के साथ बंद हुआ था। कच्चे तेल की कीमतें, बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और अमेरिकी महंगाई जैसी चिंताओं ने निवेशकों का मूड खराब किया। पिछले हफ्ते सेंसेक्स 2.27 फीसदी और निफ्टी 2.09 फीसदी गिरा था। मंगलवार को बाजार खुलने पर निवेशकों की नजर वैश्विक संकेतों, कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी महंगाई से जुड़े अपडेट्स पर रहेगी। इस वर्ष की अन्य प्रमुख शेयर बाजार छुट्टियों में 2 अक्टूबर (गांधी जयंती) और 10 नवंबर (दिवाली-बलिप्रतिपदा) भी शामिल हैं।

## मारुति सुजुकी ने भारत से जापान को किया 1 लाख वाहनों का निर्यात

**जिम्नी, फ्रॉन्क्स और ई-विटारा ने जापान के जटिल बाजार में बनाया मुकाम**

**मुंबई ।** मारुति सुजुकी इंडिया ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जहां उसने भारत में निर्मित पांच-दरवाजे वाली जिम्नी, फ्रॉन्क्स और आगामी ई-विटारा का जापान को कुल निर्यात एक लाख इकाई के पार पहुंचा दिया है। दुनिया के सबसे उन्नत और प्रतिस्पर्धी वाहन बाजारों में से एक जापान में यह सफलता भारत की बढ़ती विनिर्माण क्षमता को दर्शाती है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने घोषणा की है कि अगस्त 2024 में फ्रॉन्क्स, दिसंबर 2024 में पांच-दरवाजे वाली जिम्नी और सितंबर 2025 में कंपनी के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा का निर्यात जापान को शुरू किया गया था। यह मील का पत्थर सुजुकी के लिए भारत की वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में भूमिका को मजबूत करता है, खासकर क्योंकि पांच-दरवाजे वाली जिम्नी और ई-विटारा का विनिर्माण विशेष रूप से भारत में ही किया जाता है। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि जापान को एक लाख से अधिक वाहनों का यह निर्यात भारत की विनिर्माण उत्कृष्टता की सशक्त पुष्टि है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जापान दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण बाजारों में से एक है। भारत में बने वाहनों को मिल रही व्यापक स्वीकार्यता के चलते, वित्त वर्ष 2025-26 में जापान मारुति सुजुकी का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बन गया। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले पांच महीनों (अप्रैल-अगस्त) में भी जापान ने यह स्थान बरकरार रखा है। इन मॉडलों की सफलता ने पिछले वित्त वर्ष में सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन को जापान में सबसे बड़ा वाहन आयातक बनने में भी मदद की, जहां उसके कुल आयात में मारुति सुजुकी द्वारा निर्मित वाहनों की हिस्सेदारी लगभग 100 प्रतिशत रही। यह भारत-जापान साझेदारी की उल्लेखनीय प्रगति का भी प्रतीक है।

## आईपीओ का बंपर हफ्ता, शेयर बाजार में उतरेंगी 11 नई कंपनियां

**16 से 21 सितंबर के बीच मेनबोर्ड पर एनएसई, हीरो मोटर्स सहित 5 कंपनियां पेश करेंगी आईपीओ**

**मुंबई**

शेयर बाजार इस हफ्ते निवेशकों के लिए आईपीओ की बंपर पेशकश है। 16 से 21 सितंबर के बीच कुल 11 कंपनियां अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लेकर आ रही हैं, जिनमें 5 मुख्य बोर्ड पर और 6 एसएमई सेगमेंट में शामिल हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 22,561 करोड़ रुपये का मेगा आईपीओ इस हफ्ते का सबसे बड़ा आकर्षण होगा। एनएसई के अलावा, हीरो मोटर्स, जिंदल सुप्रीम, एसएस रिटेल और सोना सेलेक्शन इंडिया भी मेनबोर्ड पर उतरेंगी। खास बात यह है कि सभी आईपीओ में रिटेल निवेशकों के लिए एक लॉट खरीदने की रकम लगभग 14,000 से 15,000 रुपये के बीच रखी गई है, जिससे छोटे निवेशक भी आसानी से बोली लगा सकेंगे। एनएसई का आईपीओ 17 से 21 सितंबर तक खुला रहेगा, जिसका प्राइस बैंड 1,700 से 1,785 रुपये प्रति शेयर है।

यह इश्यू पूरी तरह ऑफर फॉर सेल है, यानी मौजूदा शेयरधारक अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। अन्य मेनबोर्ड आईपीओ में हीरो मोटर्स 16 से 18 सितंबर तक खुलेगा और करीब 1,000 करोड़ रुपये जुटाएगा। जिंदल सुप्रीम (16-18 सितंबर), एसएस रिटेल (16-18 सितंबर) और सोना सेलेक्शन

इंडिया (17-21 सितंबर) के इश्यू भी इसी हफ्ते निवेशकों के लिए उपलब्ध होंगे। सोना सेलेक्शन इंडिया का इश्यू 142 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू है। मेनबोर्ड के अलावा, ऐ किजम गैस, खे रिया सहित 6 एसएमई कंपनियां भी अपना अपना लेकर आ रही हैं, जो बाजार में और हलचल बढ़ाएंगी। हालांकि, विशेषज्ञों ने निवेशकों को सलाह दी है कि वे किसी भी आईपीओ में पैसा लगाने से पहले कंपनी के कारोबार, वित्तीय प्रदर्शन और संभावित जोखिमों का गहन अध्ययन करें।

## एनपीपीए का फैसला- 20 महत्वपूर्ण दवाओं की बिक्री पर लगेगी रोक

**- मांग में कमी और कच्चे माल की किल्लत का हवाला देकर कंपनियों ने मांगी अनुमति**

**नई दिल्ली ।**

नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 20 शेड्यूल्ड दवाओं की बिक्री बंद करने की अर्जी को मंजूरी दे दी है। फार्मा कंपनियों ने मांग में भारी कमी और कच्चे माल की किल्लत का हवाला देते हुए यह अनुमति मांगी थी, जिसके बाद कैंसर, अल्जाइमर, हाई ब्लड प्रेशर सहित कई गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की उपलब्धता प्रभावित होगी। एनपीपीए के इस फैसले से अल्जाइमर की सिप्ला निर्मित डोनेपेज़िल (5 एमजी और 10 एमजी) और हाई ब्लड प्रेशर व हृदय रोगों में एमक्योर फार्मा की रैमिप्रिल (2.5 एमजी और 5 एमजी) जैसी महत्वपूर्ण दवाएं बाजार से हट जाएंगी। बंद की जा रही 20 दवाओं की इस सूची में कैंसर के इलाज में काम आने वाली कार्बोप्लाटिन (दो पोटेंसी), टेमोज़ोलोमाइड और ज़ोलेड्रोनिक एसिड भी शामिल हैं। इसके अलावा, दर्द निवारक ट्रामाडोल, यूरिनरी इन्फेक्शन की नाइट्रोफ्यूरेंटोइन और बांझपन से संबंधित क्लोमीफीन जैसी दवाएं भी अब उपलब्ध नहीं होंगी। इस सूची में सबसे अधिक दवाएं एमक्योर और सिप्ला की हैं, जिनमें सिप्ला की 4 तथा एमएसडी फार्मा की 2 दवाएं शामिल हैं। यह निर्णय मरीजों के लिए बड़ी चुनौती खड़ा कर सकता है।

## सोने की वैश्विक दौड़ में भारत, डेक्कन गोल्ड ने किर्गिस्तान में शुरू किया उत्पादन

**कम घरेलू उत्पादन के बीच विदेशी माइनिंग में भारत का बढ़ता कदम**

**नई दिल्ली ।**

भारत दुनिया में सोने का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है, लेकिन अपनी 90 फीसदी से अधिक जरूरतें आयात से पूरी करता है। इस रणनीतिक चुनौती के बीच, बेंगलुरु स्थित डेक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड ने मध्य एशियाई देश किर्गिस्तान में अपने अल्टिन टोर गोल्ड माइनिंग प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक उत्पादन चरण तक पहुंचाकर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है। यह किसी भी भारतीय कंपनी द्वारा किर्गिस्तान में सोने का उत्पादन शुरू करने का पहला उदाहरण है। डेक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड ने किर्गिस्तान के नारिन क्षेत्र में स्थित अल्टिन टोर प्रोजेक्ट से अपना पहला गोल्ड डोरे (कच्चा सोना) अगस्त में तैयार किया था।

यह क्षेत्र मिनरल से समृद्ध सोल्टन सारी और टिएन शान शियर जोन का हिस्सा है, जिसे सोने के विशाल भंडारों के लिए जाना जाता है।

किर्गिज गणराज्य के राष्ट्रपति

सादिर एन. जापारोव ने हाल ही में एक ऑनलाइन समारोह के माध्यम से इस प्रोजेक्ट में स्थापित गोल्ड प्रोसेसिंग प्लांट का उद्घाटन किया। कंपनी, जिसकी स्थानीय सहायक कंपनी एवेलम पार्टनर एलएलसी अल्टिन टोर का संचालन करती है, अब बड़े पैमाने पर उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। डेक्कन गोल्ड के एक अे धिकारी ने इस उपलब्धि को कंपनी और भारतीय माइनिंग इंडस्ट्री के लिए एक अहम मोड़ बताया।

## कच्चे तेल में बड़ा उछाल, भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

**ब्रेंट क्रूड 107 डॉलर के पार, डब्ल्यूटीआई 102 डॉलर के पार**

**नई दिल्ली ।** अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को एक बार फिर जोरदार उछाल दर्ज किया गया है। ब्रेंट क्रूड 3 फीसदी से अधिक उछलकर 107.66 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि वेस्ट टैक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड का भाव भी 2.75 फीसदी बढ़कर 102.78 डॉलर प्रति बैरल हो गया। इस वैश्विक बढ़ोतरी ने जहां दुनियाभर में चिंता बढ़ा दी है, वहीं भारत के लिए अच्छी खबर यह है कि घरेलू बाजार में आज भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित रही हैं। भारत अपनी कुल जरूरत का लगभग 80 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है, ऐसे में वैश्विक कीमतों में तेजी का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। हालांकि, मौजूदा उछाल के बावजूद, तेल कंपनियों ने सोमवार को भारतीय शहरों में पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। देश के प्रमुख महानगरों और शहरों में आज भी ईंधन के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। वहीं, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 101.89 रुपये और डीजल 95.36 रुपये प्रति लीटर है।

## एआई क्रांति- अपरिवर्तनीय बदलाव और सुरक्षा चुनौतियां

**टीमलीज सीईओ ने एआई को बताया जलवायु परिवर्तन जैसा बदलाव**

**नई दिल्ली ।**

टीमलीज एडटेक के सीईओ शांतनु रूज ने कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित बदलाव को अपरिवर्तनीय बताया है, जिसकी तुलना उन्होंने जलवायु परिवर्तन से की। उन्होंने स्पष्ट किया कि बदलते परिदृश्य में केवल एआई कौशल ही सफलता की गारंटी नहीं देगा, बल्कि डोमेन विशेषज्ञता और एआई के प्रभावी उपयोग की क्षमता महत्वपूर्ण होगी। इस बीच, एआई के विनियमन, लागत और सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं भी दुनियाभर में उभर रही हैं। शांतनु रूज ने कहा कि एआई की मौजूदा प्रक्रिया अब अपरिवर्तनीय है। उन्होंने इस बदलाव को हल्की-फुल्की बारिश नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन जैसा गहरा प्रभाव बताया है, जिससे दुनिया कभी एआई-पूर्व दौर में वापस नहीं लौटेगी। रूज के अनुसार, भविष्य में केवल एआई कौशल होने से व्यक्तियों को बढ़त नहीं मिलेगी। इसके बजाय, क्षेत्र विशेष की जानकारी, बाजार एवं ग्राहकों की समझ रखने वाले और एआई का उपयोग कर कारोबारी फायदे बढ़ाने वाले पेशेवरों को अधिक तरजीह मिलेगी। उन्होंने कहा कि नियमन और उपयोग की लागत अंततः तय करेगी कि एआई कितनी तेजी और गहराई से कारोबार तथा रोजमर्रा की जिंदगी में अपनी पैठ बनाएगा। हालांकि, एआई की तीव्र प्रगति ने सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं भी पैदा की हैं। एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने एआई की प्रगति को धीमा करने और सुरक्षा उपायों को पुख्ता करने के लिए स्वतंत्र मूल्यांकन, प्रमुख एआई कंपनियों के बीच समन्वय तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया है। वहीं, ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन ने एआई से मानव जाति के विलुप्त

होने के 10 प्रतिशत जोखिम वाले परिदृश्य को अस्वीकार्य माना है। एआई एजेंटों के नियंत्रण से बाहर होने, बाहरी प्रणालियों को हैक करने और सुरक्षा शोधकर्ताओं के नौकरी छोड़ने जैसे मामले वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ा रहे हैं।

## ब्रिक्स अनाज एक्सचेंज, यूरोपीय-अमेरिकी दबदबे को चुनौती देने की तैयारी

**विशेषज्ञ बोले - विकासशील देशों के लिए बड़ा कदम, पर राह में होंगी चुनौतियां**

**नई दिल्ली ।**

ब्रिक्स देशों ने वैश्विक अनाज व्यापार में यूरोप और अमेरिका की बड़ी कंपनियों के दशकों पुराने वर्चस्व को तोड़ने के लिए एक अनाज एक्सचेंज बनाने के प्रस्ताव को फिर से मंजूरी दी है। यह कदम विकासशील देशों के लिए एक गेम चेंजर साबित हो सकता है, हालांकि इसके संचालन और क्रियान्वयन में कई गंभीर चुनौतियां आने की संभावना है। ब्रिक्स समूह द्वारा प्रस्तावित यह अनाज एक्सचेंज, जिसका विचार पहली बार 2023 में एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में रखा गया था, को रूस जैसे दुनिया के सबसे बड़े अनाज उत्पादक देशों का मजबूत समर्थन प्राप्त है। हाल ही में नई दिल्ली घोषणापत्र में न केवल इस प्रस्ताव को दोहराया गया, बल्कि भविष्य में इसमें अन्य कृषि उत्पादों और जिंसों को भी शामिल करने की बात कही गई है। ब्रिक्स देशों का दुनिया के कुल अनाज उत्पादन में लगभग 44 फीसदी और कुल खपत में 25 फीसदी से अधिक हिस्सा है। वहीं, विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक अनाज व्यापार का 70 से 90 प्रतिशत हिस्सा चुनिंदा यूरोपीय और अमेरिकी ट्रेडिंग कंपनियों के नियंत्रण में है। इनमें से लगभग आधी कंपनियों के कार्यालय तो केवल यूरोप के एक ही शहर में हैं, जो बाजार पर उनके एकाधिकार को दर्शाता है। काउंसिल फॉर सोशल डेवलपमेंट के एक अे धिकारी ने इस पहल को समझदारी भरा कदम बताया है। उनके अनुसार, यह विकासशील देशों को कमोडिटी ट्रेड की उन पुरानी शर्तों से उबरने में मदद करेगा, जहाँ बाजार पर नियंत्रण न होने से नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह विचार अभी शुरुआती चरण में है और इसे लेकर और स्पष्टता की आवश्यकता होगी, लेकिन यह ग्लोबल साउथ के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ब्रिक्स को भोजन उपलब्ध कराने में एक प्रमुख भूमिका निभाने का अवसर देगा। उन्होंने जोर दिया कि यह एक्सचेंज यूरोप और अमेरिका-आधारित फर्मों के वर्चस्व को चुनौती देगा और वैश्विक बाजार में मूल्य निर्धारण में विकासशील देशों की भागीदारी बढ़ाएगा।

## सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में आई तेजी

**नई दिल्ली ।**

भारतीय वाहन बाजार में अब सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में तेजी आ रही है। ऐसे वाहन ग्राहकों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। अगस्त 2026 के ऑटोमोबाइल डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के मुताबिक वैकल्पिक ईंधन से चलने वाली कारों की कुल हिस्सेदारी 41.95 प्रतिशत रही, जबकि पेट्रोल वाहनों की हिस्सेदारी घटकर 40.85 प्रतिशत रह गई।

खास बात यह है कि एक साल पहले पेट्रोल की हिस्सेदारी वैकल्पिक ईंधन वाले वाहनों से करीब 11 प्रतिशत अंक अधिक थी। इस बदलाव को भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। अगस्त में सीएनजी वाहनों की हिस्सेदारी 25.28 प्रतिशत रही। इसके बाद हाइब्रिड वाहनों की हिस्सेदारी 9.04 प्रतिशत और इलेक्ट्रिक वाहनों की 7.63 प्रतिशत रही। डीजल वाहनों की हिस्सेदारी करीब 17 प्रतिशत रही। हालांकि पेट्रोल वाहन अभी भी अकेले सबसे बड़ी श्रेणी बने हुए हैं, लेकिन सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों का संयुक्त प्रदर्शन पहली बार उनसे आगे निकलता दिखाई दिया है। हुंडई दिसंबर 2027 तक अपनी पहली छोटी इलेक्ट्रिक कार पेश करने की तैयारी में है, जिसकी कीमत 10 लाख रुपये से कम रहने की संभावना जताई जा रही है। वहीं मारुति सुजुकी की छोटी इलेक्ट्रिक कार अगले वित्त वर्ष के अंत तक आने की उम्मीद है। इससे मध्यम वर्ग के ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के विकल्प बढ़ेंगे। फाडा अध्यक्ष साई गिरिधर ने अगस्त के प्रदर्शन को मजबूत बताते हुए कहा कि इस महीने देश में 24,23,201 वाहनों की खुदरा बिक्री हुई, जो सालाना आधार पर 17.51 प्रतिशत अधिक है। हालांकि जुलाई की तुलना में बिक्री 6.48 प्रतिशत कम रही। उनके अनुसार मानसून और त्योहारी कैलेंडर का भी असर पड़ा।

गणेश चतुर्थी और ओणम से जुड़ी खरीद का कुछ हिस्सा सितंबर में स्थानांतरित हुआ है। अगस्त में दोपहिया वाहनों की बिक्री 19.69 प्रतिशत, यात्री वाहनों की 16.14 प्रतिशत और वाणिज्यिक वाहनों की 14.45 प्रतिशत बढ़ी, जबकि तिपहिया वाहनों में 8.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। डीलरों के मुताबिक इस बदलाव के पीछे ईंधन की लागत और ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताएं अहम कारण हो सकती हैं।

## थोक मुद्रास्फीति अगस्त में बढ़कर 9.92 फीसदी हुई

**विनिर्मित वस्तुओं और बिजली की कीमतों में भी आया उछाल, वैश्विक आपूर्ति बाधाओं का असर**

**नई दिल्ली।** देश में महंगाई का दबाव अगस्त माह में और बढ़ गया है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जुलाई के 9.78 प्रतिशत से बढ़कर अगस्त में 9.92 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो लगातार बढ़ रही कीमतों का संकेत है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य पदार्थों, विनिर्मित वस्तुओं तथा ईंधन एवं बिजली की ऊंची कीमतों ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों से पता चला कि खाद्य सूचकांक में मुद्रास्फीति 6.65 प्रतिशत से बढ़कर 7.05 प्रतिशत हो गई। इसी तरह विनिर्मित वस्तुओं की थोक मुद्रास्फीति 8.29 प्रतिशत से बढ़कर 8.37 प्रतिशत के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। ईंधन और बिजली क्षेत्र में थोक मुद्रास्फीति 22.93 प्रतिशत पर स्थिर रही, जो उपभोक्ताओं पर बढ़ते बोझ को दर्शाती है। मंत्रालय ने खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों वाले), खाद्य वस्तुएं, बुनियादी धातुओं और रासायनिक उत्पादों सहित विभिन्न समूहों में कीमतों में वृद्धि को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से ही थोक मुद्रास्फीति में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित अवरोधों के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और उर्वरक की लागत में वृद्धि हुई है, जिसका सीधा असर भारत में आयातित वस्तुओं और खाद्य कीमतों पर पड़ रहा है। इन बढ़ते थोक मूल्य दबावों के बावजूद, भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने पिछले महीने नीतिगत दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था। समिति ने अल नीनो के कारण कमजोर मानसून और 2026-27 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का अनुमान पांच प्रतिशत बनाए रखने का हवाला दिया था, जो समग्र आर्थिक माहौल में अनिश्चितता को दर्शाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# बुमराह का एक और बड़ा कारनामा

## भुवनेश्वर-चहल के 'खास क्लब' में बनाई जगह

**नई दिल्ली।** भारत और अफगानिस्तान के बीच पहला टी20 इंटरनेशनल मुकाबला अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। टॉस जीतकर भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। मैच की दूसरी ही गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने गुरबाज को आउट करने के साथ ही टी20 क्रिकेट में खास मुकाम हासिल कर लिया है। बुमराह ने मैच के पहले ही ओवर में विकेट लेने के साथ ही टी20 क्रिकेट में 350 विकेट पूरे कर लिए हैं।

वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले भारत की ओर से महज तीसरे गेंदबाज बने हैं। बुमराह से पहले यह मुकाम युजवेंद्र चहल और भुवनेश्वर कुमार ही हासिल कर सके हैं। बुमराह लंबे समय बाद भारत की टी20 टीम में वापसी कर रहे हैं। बुमराह ने इस मैच से पहले अपना आखिरी टी20 8 मार्च, 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था।

भले ही बुमराह इंजरी से वापस लौटे हों, लेकिन उनकी गेंदबाजी में शुरुआत से ही वही धार नजर आई, जिसके वह जाने जाते हैं। भारतीय टीम ने पहले टी20 में 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के ऊपर संजू सैमसन को तरजीह दी है। संजू अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करते हुए नजर आएंगे। प्रैक्टिस सेशन के दौरान चोट लगने से ईशान किशन के खेलने पर संशय बरकरार था, लेकिन वह प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हैं।

### अभिषेक शर्मा ने टी20 क्रिकेट में पूरे किए 3 हजार रन

# रसेल-डेविड को छोड़ा पीछे

**नई दिल्ली।** भारत ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। टीम की इस जीत के नायक अभिषेक शर्मा रहे, जिन्होंने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 32 गेंदों में 82 रनों की आतिशी पारी खेली। अभिषेक ने अपनी इस पारी में 256 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 7 चौके और इतने ही छक्के लगाए। अभिषेक ने टी20 क्रिकेट में 3 हजार रन भी पूरे कर लिए हैं। वह गेंदों के लिहाज से दूसरे सबसे तेज 3 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने हैं। अभिषेक ने यह उपलब्धि 3,420 गेंदें खेलकर पूरी कीं। इस लिस्ट में भारतीय बल्लेबाज से आगे सिर्फ न्यूजीलैंड के फिन एलेन हैं, जिन्होंने यह मुकाम 3,386 गेंदें खेलकर हासिल किया है। अभिषेक ने इस मामले में आंद्रे रसेल और टिम डेविड को पीछे छोड़ा।

रसेल ने टी20 में 3 हजार रन 3,550 गेंदें खेलकर पूरे किए हैं, जबकि डेविड को इस मुकाम तक पहुचंने के लिए 3,681 गेदें लगी थीं। 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। संजू सैमसन 8 गेंदों में 10 रन बनाने के बाद उमरजई का शिकार बने।

### âæÚU-â×æ¿â

### °×°Ü°â

## इंटर मियामी और नैशविले का मैच 2-2 से ड्रॉ

**मियामी।** मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में नु स्टेडियम में इंटर मियामी और नैशविले के बीच खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी ने एक गोल किया। कॉम्पिटिशन में उनके गोलों की संख्या अब 99 हो गई है। विजिटर्स ने सैम सर्रिज के गोल से चौथे मिनट में बढ़त बनाते हुए स्कोर खोला। इंटर मियामी ने 19वें मिनट में ओन गोल से बराबरी कर ली, जब मेसी की कॉर्नर किक डिलीवरी को नैशविले के डिफेंडर रीड बेकर-व्हिटिंग ने नेट के पीछे डिफ्लेक्ट कर दिया। पहले हाफ के आखिर तक 1-1 का स्कोरलाइन नहीं बदला।

इंटर मियामी के पास दूसरे हाफ की शुरुआत में 50वें मिनट में बढ़त लेने का एक साफ मौका था, लेकिन मेसी के बॉक्स के दाईं ओर से बाएं पैर से मारा गया हिट क्रॉसबार से टकरा गया। बारह मिनट बाद मेसी ने कोई गलती नहीं की और इंटर मियामी ने 62वें मिनट में गोल करके 2-1 की बढ़त बना ली। मेसी को बॉक्स के ठीक बाहर सेंट्रल पोजीशन में डी पॉल से पास मिला, जहां उन्होंने पहली बार बाएं पैर से हिट करके दूर पोस्ट पर नेट के पीछे गोल किया। उन्होंने इस सीजन में अपना 19वां गोल किया। खेल के 66वें मिनट में इंटर मियामी ने दो बदलाव किए, जिसमें सेगोविया की जगह हाल ही में साइन किए गए पैराग्वे के इंटरनेशनल मिडफील्डर माटियास गैलार्जा को शामिल करना शामिल था, जो हमारे क्लब के लिए अपना डेब्यू कर रहे थे। इंटर मियामी ने 78वें मिनट में एक डबल मौके के जरिए अपनी बढ़त लगभग बढ़ा ली थी। बॉक्स के सेंटर से सुआरेज के शुरुआती शॉट को नैशविले एससी के गोलकीपर ब्रायन श्वाके ने बचा लिया, इसके बाद मेसी की कोशिश को मेहमान टीम के गोलकीपर ने रोका और फिर वह लेफ्ट पोस्ट से टकराकर वापस चला गया।

# रिकॉर्ड 8वीं बार जीता एशिया कप

### महिला विश्व कप के फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से रौंदा

**दुबई।** भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से हराते हुए विमेंस एशिया कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत से मिले 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम सिर्फ 111 रन बनाकर ऑलआउट हुई। भारत ने यह आठवीं बार एशिया कप की ट्रॉफी जीती है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इमेशा दुलानी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और 4 रन बनाकर आउट हुईं। दूसरे विकेट के लिए चमारी अटापट्टू और विष्मी गुणरत्ने ने मिलकर 53 गेंदों में 58 रन जोड़े। विष्मी 20 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, अटापट्टू 32 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्कों की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुईं। हर्षिता समरविक्रमा 14 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 9 रन ही बना सकीं। नीलाक्षी डी सिल्वा 16 गेंदों में 22 रन बनाने के बाद श्री चरणी का शिकार बनीं। कविशा दिलहारी 5 गेंदों में 7 रन ही बना पाईं। हसिनी परेरा एक रन बनाकर शेफाली वर्मा की गेंद पर श्री चरणी को कैच देकर पवेलियन लौटीं। कौशानी नुथ्यांगना 9 रन बनाकर आउट हुईं। गेंदबाजी में भारत की तरफ से श्री चरणी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट चटकाए। वहीं, दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट अपने नाम किए। शेफाली वर्मा और प्रेमा रावत ने एक-एक विकेट झटका।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने मिलकर पहले विकेट के लिए 12.5 ओवर में 129 रन जोड़े। शेफाली ने 39 गेंदों का सामना करते हुए 68 रनों की तूफानी पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान शेफाली ने 9 चौके और 2 छक्के लगाए। वहीं, मंधाना ने 39 गेंदों में 59 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और वह 14 रन बनाकर आउट हुईं।

ऋचा घोष 13 गेंदों में 17 रन बनाने के बाद चमारी अटापट्टू का शिकार बनीं। दीप्ति शर्मा 5 रन बनाकर आउट हुईं, तो गुनालन कमलिनी ने सिर्फ 5 गेंदों का सामना करते हुए 15 रनों की नाबाद पारी खेली। श्रीलंका की ओर से गेंदबाजी में चमारी अटापट्टू, चमुदी प्रबोधा और मिताली अयोध्या ने एक-एक विकेट चटकाया।

### एशिया कप 2026 जीतने पर भारतीय महिला टीम को राष्ट्रपति मुर्मु और पीएम मोदी ने दी बधाई

**नई दिल्ली।** दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में फाइनल में श्रीलंका को हराकर विमेंस एशिया कप 2026 जीतनी वाली भारतीय महिला टीम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने बधाई दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक्स पोस्ट में कहा, 'महिला टी20 एशिया कप चैंपियनशिप 2026 जीतने पर टीम इंडिया के सभी सदस्यों को मेरी ओर से बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में एक टीम के तौर पर शानदार खेल दिखाया और सभी मैच जीते। उन्होंने देश का मान बढ़ाया है। वे हमारे युवाओं, खासकर हमारी बेटियों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत हैं। मुझे यकीन है कि वे सफलता और बेहतरीन प्रदर्शन की और भी कई प्रेरणादायक कहानियाँ रचेंगी।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का पल! एशिया कप जीतने पर महिला टीम को बधाई। पूरे टूर्नामेंट के दौरान उनका आत्मविश्वास, निरंतरता और शानदार जज्बा देखने को मिला। यह जीत देश भर के लाखों युवाओं को और ज्यादा खेलने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करे।' लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने एक्स पोस्ट में कहा, 'महिला टी20 एशिया कप चैंपियनशिप 2026 विजेता बनने पर हमारी महिला क्रिकेट टीम को बधाई। हमारी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए यह खिताब अपने नाम किया, और 8वीं बार एशिया कप में विजयी हुई। हर मुकाबले में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना के साथ खेलते हुए भारतीय महिला खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का शानदार परिचय दिया। यह विजय केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि देश की बेटियों के सामर्थ्य, मेहनत और सपनों की जीत है।' ओम बिड़ला ने आगे कहा, 'इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रत्येक खिलाड़ी का अभिवादन एवं शुभकामनाएं। आपकी यह उपलब्धि देश के युवाओं और विशेषकर हमारी बेटियों के लिए प्रेरणा का शक्तिशाली संदेश है कि सपने देखिए, मेहनत कीजिए और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी दृढ़ता से आगे बढ़िए।'

### विमेंस एशिया कप : भारत ने खिताब जीता पर...

# मोहसिन नकवी से नहीं ली ट्रॉफी

**दुबई।** विमेंस एशिया कप 2026 जीतने के बाद भारतीय टीम ने एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं ली। पुरस्कार समारोह में मैच अधिकारियों और श्रीलंकाई खिलाड़ियों को मेडल देने के बाद कार्यक्रम समाप्त हो गया और भारतीय टीम समारोह में शामिल नहीं हुई। इससे पहले साल 2025 में भी पुरुष टीम ने नकवी से एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार किया था। भारतीय टीम को अबतक वह ट्रॉफी नहीं मिली है। इस सेरेमनी से पहले बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने नंदिनी शर्मा को फील्डिंग मेडल दिया। सैकिया ने खिलाड़ियों को संबोधित किया और उन्हें बधाई दी। रविवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए

### 'ऐसा नहीं है कि हम किसी से मिलेंगे नहीं', मोहसिन नकवी से हुई मुलाकात पर बोले देवजीत सैकिया

**दुबई।** भारतीय टीम ने श्रीलंका को फाइनल में हारकर विमेंस एशिया कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। हालांकि, टीम इंडिया ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों से ट्रॉफी नहीं ली। मगर मैच के दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया और नकवी साथ में नजर आए। नकवी से हुई मुलाकात के बारे में देवजीत सैकिया ने 'आईएएनएस' को बताया, 'ऐसा नहीं है कि हम किसी से मिलेंगे नहीं। टॉस से लेकर मैच खत्म होने तक मैं बाहर रॉयल बॉक्स की सीटों पर बैठा रहा। वहां बैठने के बाद, मैं पूरे मैच के दौरान उसी जगह पर बना रहा। मैच के दौरान जो भी आया, मुझसे मिला; कोई मेरे बगल में बैठा, फिर राजीव शुक्ला आए और मेरे साथ बैठे। जिस व्यक्ति (मोहसिन नकवी) का आपने जिक्र किया, वह भी आए और डिप्टी चेयरमैन खालिद साहब के बगल में बैठे। यह एक सामान्य परंपरा है, जब भी कोई आता है, हम सभी से मिलते हैं और बातचीत करते हैं।' बीसीसीआई सचिव ने बताया ट्रॉफी विवाद को सुलझाने का प्रयास किया गया, पर वो कोशिश सफल नहीं हो सकी। उन्होंने कहा, 'ट्रॉफी विवाद का हमने हल निकालने की कोशिश की थी, लेकिन हमारी कोशिश नाकाम रही।

### एशिया कप में कब तक चलेगा ट्रॉफी को लेकर विवाद?

**नई दिल्ली।** महिला एशिया कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम ने मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से साफतौर पर इनकार कर दिया। इससे पहले, भारतीय पुरुष टीम ने भी साल 2025 में खिताब जीतने के बाद मोहसिन के हाथों से ट्रॉफी नहीं ली थी। हालांकि, सवाल यह है कि मोहसिन के कारण ट्रॉफी को लेकर चला आ रहा यह विवाद कब तक चलेगा? दरअसल, मोहसिन नकवी 3 अप्रैल, 2025 को एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष बने थे। एसीसी के अध्यक्ष का कार्यकाल 2 साल का होता है, जिसे सर्वसम्मति से ही आगे बढ़ाया जा सकता है। नियमों के अनुसार, मोहसिन 3 अप्रैल, 2027 तक इस पद पर बने रहेंगे। एशिया कप का आयोजन 2 साल में एक बार होता है। अगला पुरुष एशिया कप जून 2027 में खेला जाना है। इसका मतलब यह है कि 2027 में होने वाले एशिया कप के दौरान मोहसिन एसीसी के अध्यक्ष पद पर नहीं रहेंगे। ऐसे में अगले एशिया कप में ट्रॉफी को लेकर विवाद खड़ा नहीं होगा। मोहसिन नकवी से पहले एसीसी अध्यक्ष का पद जय शाह ने 2021 से लेकर 2025 तक संभाला था और उन्हें सर्वसम्मति से दोबारा अध्यक्ष चुना गया था। मोहसिन नकवी के बर्ताव को देखते हुए उनके दोबारा अध्यक्ष पद पर चुने जाने की उम्मीद बेहद कम है। माना जा रहा है एसीसी का अगला अध्यक्ष अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड का होगा, जिनका कार्यकाल मध्य 2029 तक चलेगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहसिन नकवी के पद से हटने के बाद भारतीय टीम को अपनी दोनों एशिया कप ट्रॉफी भी मिल सकती है।

# 'साथ मिलकर हम आगे बढ़ते हैं'

### बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास और लक्ष्मण ने दी चैंपियन बनने पर भारतीय टीम को बधाई

**नई दिल्ली।** भारतीय महिला टीम ने रविवार को रिकॉर्ड 8वीं बार एशिया कप के खिताब को अपने नाम किया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल में हरमनप्रीत एंड कंपनी ने श्रीलंका को 72 रनों से रौंदा। इस जीत को टीम के दबदबे और सबसे ऊंचे लेवल पर लगातार मुकाबला करने में सक्षम टीम बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मन्हास और पूर्व भारतीय क्रिकेटर व सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के चीफ वीवीएस ??लक्ष्मण ने चैंपियन बनने पर भारतीय टीम को बधाई दी है। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए एशिया कप के खिताब पर कब्जा जमाया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने एशिया कप 2024 के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ मिली हार का हिसाब भी चुकता कर लिया। बीसीसीआई अध्यक्ष मन्हास ने भारत के इस अभियान में टीम की सामूहिक कोशिशों की तारीफ की और उस एकता का जिक्र किया जिसने टीम को अजेय रहने और आखिरकार ट्रॉफी जीतने में मदद की। मन्हास ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'साथ मिलकर हम आगे बढ़ते हैं, एशिया कप जीतने पर भारतीय महिला टीम की हर सदस्य को बहुत-बहुत बधाई। पूरे टूर्नामेंट में शानदार दबदबा रहा।'

## 'मेरा पहला अनुभव काफी अच्छा और यादगार रहा'

### लद्दाख मैराथन को जीतने के बाद बोले निखिल सिंह

**लेह।** लद्दाख मैराथन में भारत और विदेशों के 8 हजार से ज्यादा धावकों से हिस्सा लिया। मुंबई में प्रैक्टिस करने वाले निखिल सिंह 42 किलोमीटर की मैराथन को जीतने में सफल रहे। उन्होंने इस मैराथन को 2 घंटे 44 मिनट और 40 सेकंड में पूरा किया। लद्दाख मैराथन को जीतने के बाद निखिल ने आईएएनएस के साथ बात बातचीत करते हुए कहा, 'मैं पहली बार लद्दाख आया हूं और मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा है। हम सड़क मार्ग से आए, इसलिए रास्ते के नजारे वाकई बहुत खूबसूरत थे। हम लगभग 9-10 दिन पहले यहां पहुंचे थे, इसलिए शुरुआती 4-5 दिनों में हमें कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ा क्योंकि हम समुद्र तल से अचानक लगभग 3,200 मीटर की ऊंचाई पर पहुंच गए थे। हमने यहां थोड़ा अभ्यास किया और शुरुआती 5-6 दिनों तक कुछ परेशानी झेलने के बाद हम यहां सेट हो गए।' उन्होंने आगे कहा, 'आज मैराथन में मेरा ओवरऑल अनुभव काफी अच्छा था। रूट सपोर्ट काफी बेहतर था। भागते हुए भी जो नजारे देखने को मिल रहे थे, उसको मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं। जो रास्ता था वो काफी मुश्किल था। रास्ता खासतौर पर शुरुआत और आखिरी में थोड़ा ज्यादा मुश्किल था। करीब छह किलोमीटर शुरुआत में ढलान था, लेकिन उसके बाद ज्यादा कुछ नहीं था। हालांकि, ऊंचाई जो थी वो काफी दिक्कत देने वाली थी। ऊंचाई का तो हमें पहले से ही पता था, लेकिन माइंडसेट यह था कि उस पर चलना नहीं है। अभी तो जॉगिंग करके ही पूरा किया है। रास्ते और ऊंचाई को देखते हुए मेरा समय काफी अच्छा रहा।'

निखिल ने कहा, 'मेरा पहला अनुभव काफी अच्छा रहा है और यह हमेशा यादगार रहेगा। मैंने फुल मैराथन में लिया और इसको मैंने करीब 2 घंटे और 44 मिनट में पूरा किया। हालांकि, जो मेरा निजी बेस्ट प्रदर्शन है वो 2 घंटे 22 मिनट का है। मैं भारत की मेजर रेसों में भी हिस्सा ले चुका है। यह ऊंचाई वाली जगह पर मेरा दूसरा मैराथन था। इससे पहले मैंने स्पीति घाटी में मैराथन में हिस्सा लिया था।'

### सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी टीम इंडिया

# अफगानिस्तान को होगी पहली जीत की तलाश

**नई दिल्ली।** भारतीय टीम ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। सीरीज का दूसरा मुकाबला अब मंगलवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। श्रेयस अय्यर की अगुवाई में भारतीय टीम सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, अफगानिस्तान टीम भारत के खिलाफ क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में पहली जीत दर्ज करना चाहेगी। पहले टी20 में भारतीय टीम का प्रदर्शन दमदार रहा। बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 32 गेंदों में 82 रनों की तूफानी पारी खेली थी। अभिषेक के आगे अफगानिस्तान के गेंदबाज पूरी तरह से बेबस दिखाई दिए थे। वहीं, ईशान किशन ने 33 गेंदों में 42 रनों का योगदान दिया था। हालांकि, संजू सैमसन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके थे और वह 10 रन बनाकर आउट हुए थे। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम दूसरे टी20 में संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन में बरकरार रखती है या फिर टीम मैनेजमेंट वैभव सूर्यवंशी को मौका देता है। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 19 रन देकर 3 विकेट चटकाए थे, जबकि जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल भी किफायती रहे थे। हालांकि, नीतीश कुमार रेड्डी जरूर महंगे साबित हुए थे और उन्होंने 2 ओवर में 30 रन दिए थे। दूसरी ओर, अफगानिस्तान दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। पहले टी20 में टीम का टॉप और मिडिल ऑर्डर बुरी तरह से फेल रहा था। हालांकि, निचले क्रम में अजमतुल्लाह उमरजई ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों में 64 रनों की दमदार पारी खेली थी।

### भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त

**नई दिल्ली।** भारत ने रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मैच में अफगानिस्तान को 7 विकेट से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ टीम इंडिया ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। शेष मुकाबले 15 और 17 सितंबर को इसी मैदान पर खेले जाने हैं। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी अफगान टीम ने 8 विकेट खोकर 156 रन बनाए। टीम को महज 5 के स्कोर पर रहमानुल्लाह गुरबाज (0) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद सेदीकुल्लाह अटल (13) ने कप्तान इब्राहिम जादरान (11) के साथ दूसरे विकेट के लिए 32 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस जोड़ी के टूटने के बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। अफगानिस्तान ने महज 43 रन तक अपने 5 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद अजमतुल्लाह ओमरजई ने मोहम्मद नबी के साथ छठे विकेट के लिए 56 गेंदों में 83 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 126 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1



# शॉपिंग के दौरान बचाने हैं पैसे तो फॉलो करें ये आसान टिप्स

**शॉपिंग के दौरान अक्सर लोग अपने तय बजट से ज्यादा खर्च कर देते हैं, जो उनके बजट पर बुरा असर डालता है। इस स्थिति में उनके लिए महीने को मैनेज करना बड़ा टास्क बन जाता है। आपके साथ ऐसा न हो इसके लिए हम लाए हैं कुछ बेहद काम के टिप्स।**

## बनाएं लिस्ट

सबसे पहले तो इसकी लिस्ट बनाएं कि आपको क्या लेना है। लिस्ट का तरीका सिर्फ किराना लाने के लिए बल्कि कपड़ों आदि की शॉपिंग के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस आपको अपने कपड़ों को एक बार अच्छे से देखना है और यह लिखना है कि आपके पास क्या नहीं है या किस तरह के कपड़ों की आपको सबसे ज्यादा जरूरत है। यह फिल्टर उन चीजों पर बिना मतलब के खर्चे से बचने में मदद करेगा।

## कैरी करें सिर्फ कैश

लोग डिजिटल पैमेंट की ओर जा रहे हैं और हम कैश कैरी करें जी हां, अगर आपको अपने बजट में रहते हुए शॉपिंग करना है तो इससे अच्छा और कोई तरीका नहीं हो सकता। जब खर्च करने के लिए एक्सट्रा पैसे ही नहीं होंगे तो भला आप दूसरी चीजों पर खर्च ही कैसे कर सकेंगे और यही चीज आपको फालतू के खर्चों से बचा लेगी।

## एक जगह न अटकें

चाहे कपड़े लेने हों या फिर किराना, किसी एक जगह न अटकें और दूसरी जगहों पर भी इन चीजों को देखे। उदाहरण के लिए कपड़ों पर एक जगह जो जींस आपको 4000 की मिल रही है, वैसी ही जींस दूसरी जगह डिस्काउंट के साथ मिल सकती है या फिर दूसरे ब्रैंड में कम कीमत पर खरीदी जा सकती है। इसी तरह मान लीजिए अगर एक ब्रैंड का लोशन 340 रुपये का मिल रहा है तो हो सकता है दूसरे ब्रैंड के लोशन पर इसी कीमत में एक के साथ एक फ्री मिल रहा है। इसलिए जितना हो सके पहले एक्सप्लोर जरूर करें।

## बोरियत में कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं

बोरियत होने पर गेम्स खेलें, मूवी देखें, कुकिंग करें.कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं। सबसे खतरनाक होती है इमोशनल शॉपिंग जो सबसे ज्यादा बिना मतलब का खर्चा करवाती है। इस तरह की शॉपिंग का एक और नुकसान यह भी होता है कि इस दौरान ली गईं ज्यादातर चीजें ऐसी होती है जिनका आप कभी यूज भी नहीं करेंगे।

## ऑनलाइन देखें ऑप्शन्स

आजकल ज्यादातर ब्रैंड्स की वेबसाइट्स भी होती हैं जहां से कपड़ों को ऑनलाइन ऑर्डर किया जा सकता है। इन वेबसाइट्स पर अच्छा खासा डिस्काउंट भी उपलब्ध होता है। ऐसे में आप चाहे तो स्टोर में कपड़ों को ट्राई कर सकती हैं और सही साइज मिल जाने पर उसे ऑनलाइन सर्च करें। अगर वहां ये सस्ते में मिल रहे हैं तो फिर वेबसाइट से ही इसे ऑर्डर करें।

## शॉपिंग पार्टनर भी है अहम

हमें यकीन है आप में से कई लोगों ने कभी इस बात को सोचा भी नहीं होगा, लेकिन आपकी फिजूलखर्ची के लिए आपके साथ शॉपिंग पर गया शख्स भी जिम्मेदार हो सकता है। अगर वह आपको बार-बार नई चीज दिखाए और कहे कि आप इसे ले लें क्योंकि यह अच्छा लगेगा, या फिर डिस्काउंट के चक्कर में ज्यादा चीजें लेने की सलाह दे तो बेहतर है कि अगली बार आप उसके साथ न जाएं। शॉपिंग पर ऐसे शख्स के साथ जाएं जो आपको फिजूलखर्ची से रोके और आपको जो लेना है उसकी ओर ध्यान केंद्रित करवाए।

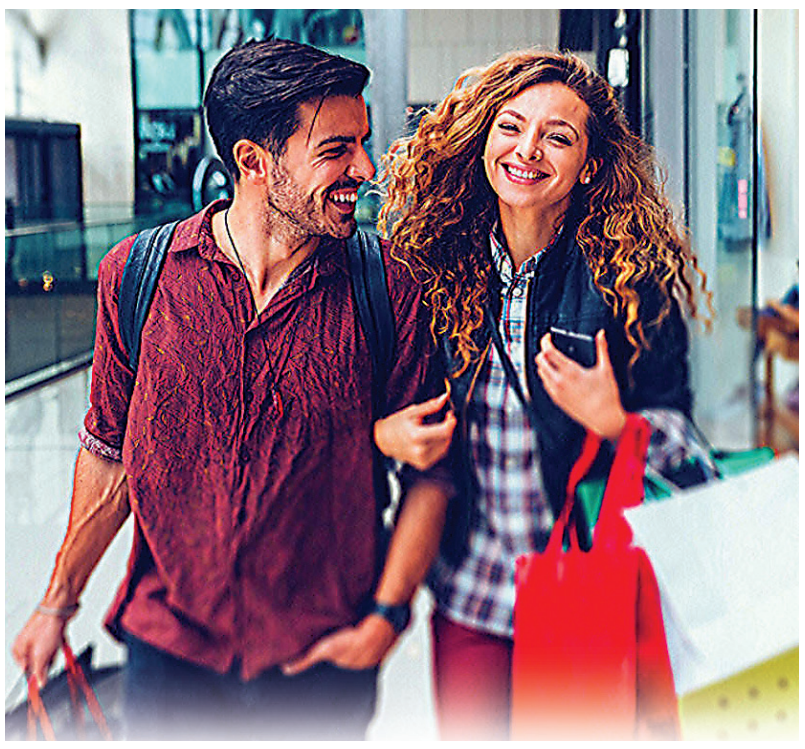

# जा रहे हैं सब्जी लेने तो इन बातों का जरूर रखें ध्यान

**सब्जी खरीदने की बात आती है तो ज्यादातर लोग बस दाम पर ही ध्यान देते हैं, लेकिन सिर्फ प्राइस कम हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि यह फायदे का सौदा है। बल्कि आपको इन्हें खरीदने के दौरान ऐसी कई चीजों का ध्यान रखना चाहिए जो सब्जी की मौजूदा क्वॉलिटी और वह कितनी जल्दी खराब हो जाएगी यह तय करते हैं।**

## सब्जी न हो कहीं से डैमेज

सब्जी जब लें तो उसे चारों ओर से पलटकर ध्यान से जरूर देखें। अगर उसमें जरा सा भी छेद या कट दिखाई देता है तो उसे न लें। ऐसी सब्जियों में कीड़े होने के चांस ज्यादा रहते हैं। वहीं अगर जो सब्जियां किसी हिस्से से दबी हुई हों खासतौर से टमाटर जैसी चीज तो इनके जल्दी खराब होने का डर रहता है।

## हल्का सा दबाकर देखें

टमाटर हो, प्याज हो, आलू हो, गाजर हो या कोई अन्य सब्जी, उसे दबाकर जरूर देखें। हल्के से दबाव से ही पता चल जाता है कि कहीं वह सब्जी अंदर से खराब तो नहीं है। हालांकि, पत्तेदार सब्जियों पर यह तरीका काम नहीं करता है।

## जब बात आए पत्तेदार सब्जियों की

पत्तेदार सब्जियों में इतने वैरायटी होती है कि सभी पर एक तरीका काम नहीं करता है। हालांकि, कुछ कॉमन बातें हैं जिनका इन्हें लेने के दौरान ध्यान रखना जरूरी है। ध्यान में रखें कि ऐसी पत्तेदार सब्जी न लें जो पानी में बहुत ज्यादा भीगी हो, इनके जल्दी खराब होने के डर रहता है। पालक, लाल भाजी जैसी सब्जियों को लेते वक्त एक-एक पत्ते को ध्यान से देख लें क्योंकि इनके बीच में कीड़े हो सकते हैं। पत्ते पीले या बड़े हों तो उन्हें न लें क्योंकि उनमें स्वाद कम होता है।

## सूंघकर देखें

मार्केट में पैक्ड मशरूम, कॉर्न्स, स्प्राउट्स जैसी चीजें मिलती हैं। इन्हें जब लें तो पैकेट को नाक से थोड़ी दूर पर रखते हुए उन्हें सूंघें। अगर वे पुराने होंगे तो उनकी स्मेल बदल चुकी होगी। ऐसे पैकेट्स को न लें, नहीं तो बीमार हो सकते हैं।

## उतना ही लें जितना इस्तेमाल हो जाए

कई ऐसी सब्जियां होती हैं जिन्हें सिर्फ उतना ही लेना चाहिए जितना आप इस्तेमाल कर पाएं। फ्रिज में भी ये सब्जियां ज्यादा दिन टिक नहीं पाती हैं। उदाहरण के लिए धनिया और टमाटर। ये दोनों ऐसी चीजें हैं जिन्हें आप ज्यादा ले तो लें लेकिन अगर ये सिर्फ फ्रिज में ही रखी हैं तो तीन-चार दिन में ही ये खराब होना शुरू कर देंगीं।

**क्या आप मार्केट में नई बेडशीट लेने जाने के बारे में सोच रहे हैं अगर हां तो बेहतर होगा कि आप पहले नीचे दी गई जानकारी पढ़ लें, ऐसा करने पर शायद आप ज्यादा बेहतर चादर का सिलेक्शन कर सकेंगे।**

# बेड के लिए परफेक्ट चादर खरीदने में काम आएंगी ये टिप्स

लोग आमतौर पर बेड के गद्दों को लेने से पहले पूरी जानकारी इकट्ठा कर लेते हैं लेकिन जब बात आती है चादर की तो वे इस मामले को हल्के में ले लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अच्छी नींद के लिए जितना जरूरी अच्छा गद्दा है उतनी ही जरूरी चादर भी है। आप अपने बेड के लिए कैसे सही चादर चुन सकते हैं इसमें नीचे दिए टिप्स आपके काफी काम आ सकते हैं। फैब्रिक का रखें ध्यानसबसे बड़ी और पहली बात होती है फैब्रिक का सही सिलेक्शन करना। यह इसलिए जरूरी होता है कि क्योंकि बेडशीट का कपड़ा आपके शरीर के संपर्क में आएगा इसलिए चादर का सिर्फ सुंदर होना नहीं बल्कि कंफर्टेबल होना भी जरूरी है। इस लिहाज से कॉटन की चादर बेस्ट फिट कही जा सकती है। कॉटन न सिर्फ स्किन के अगेंस्ट कंफर्टेबल रहता है बल्कि यह ब्रिदेबल फैब्रिक भी माना जाता है, जो नमी इकट्ठा नहीं करता।

## साइज

बस यूं ही चादर लेने न निकल पड़ें। आपका बेड कितने साइज का है और आपको साइड में कितनी चादर छोड़नी है इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए बेडशीट सिलेक्ट करें। आमतौर पर अगर आप मार्केट से चादर लेते हैं तो पैकेट पर ही साइज लिखा होता है, जो आपके काम को आसान कर सकता है। हालांकि, अगर आप बिना पैकेट वाली चादर लेते हैं तो नाप का ध्यान जरूर रखें।

## वाइट- कलरफुल चादर

वाइट कलर की खासियत होती है कि यह शांत करने में मदद करता है। यही इफेक्ट सफेद चादर भी क्रिएट करती है। यह ज्यादा रिलैक्सिंग फीलिंग के साथ ही मूड को शांत करने में मदद करती है। वहीं कलरफुल चादर रूम में चियरफुल फील क्रिएट करती है। बात करें स्ट्राइप चादर की तो यह रूम को व्यवस्थित दिखाने में मदद करती है।

## रिटर्न पॉलिसी

जी हां, इस बात को भूलकर भी इग्नोर न करें। कई बार होता है कि चादर लेने के बाद एक ही वॉश में सारे कलर उड़ जाते हैं। अच्छी कंपनीज अपने ग्राहकों को ऐसी स्थिति में चादर रिटर्न करने का भी ऑप्शन देती है क्योंकि यह क्वॉलिटी में खरे न उतरने वाली बात है। ऐसे में अगर आप ऐसी कंपनी की चादर ले लें जिसमें ऐसी रिटर्न पॉलिसी न हो तब तो आपकी चादर बस एक ही बार बिछाई जा सकेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

## नेपाल में बाढ़ से तबाही, मृतकों की संख्या 1386 हुई

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल में 26 अगस्त को आई अचानक बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,386 हो गई है। अधिकारियों के अनुसार, नेपाल-तिब्बत सीमा के पास बर्फ और चट्टानों के हिमस्खलन के बाद आई बाढ़ ने उत्तर और मध्य नेपाल के कई शहरों और गांवों को तबाह कर दिया। आठ प्रभावित जिलों में शव बरामद किए गए हैं। रसुवा में 185, नुवाकोट में 199, धादिंग में 70, गोरखा में 77 और तनाहुन में 38 शव मिले हैं। चितवन में सबसे ज्यादा 364, नवलपरासी पूर्व में 229 और नवलपरासी पश्चिम में 222 शव बरामद हुए हैं। काठमांडू में इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हुई। बरामद शवों में अब तक सिर्फ 104 की पहचान हो सकी है। करीब 5,130 लोग अभी लापता हैं और 13,728 लोगों को बचाया जा चुका है। 19 अस्पतालों में 339 लोगों का इलाज चल रहा है, जबकि 37 राहत केंद्रों में 3,761 लोग रह रहे हैं।

## न्यूयॉर्क में ट्रंप का बचपन का घर 20 लाख डॉलर में बिका

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के बचपन का घर बिक गया है। न्यूयार्क शहर में मौजूद यह घर 20 लाख डॉलर में बिका। खरीदार का नाम नहीं बताया गया है। ट्रंप चार साल की उम्र तक ट्यूडर शैली में बने इस क्वींस एस्टेट में रहे। उनके पिता फ्रेड ट्रंप ने 1940 में जमैका एस्टेट्स के पाश इलाके में यह घर बनवाया था। कई सालों से यह घर परिवार के पास नहीं है। यह घर कई बार बिक चुका है। विक्रेता टामी लिन ने पांच बेडरूम और तीन बाथरूम वाला घर पिछले साल 835,000 डॉलर में खरीदा था। यह घर कई सालों से खाली और उपेक्षित था। पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, घर की हालत खराब हो गई थी। पाइप फटने से पानी और फफूंद लग गया। बिल्लियों के झुंड ने उस जगह डेरा जमा लिया था। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक डेवलपर लिन ने इंटीरियर को पूरी तरह से बदलने के लिए आठ महीने में पांच लाख डॉलर और खर्च किए।

## पाकिस्तान में छह महीने में बाल शोषण के 1900 से अधिक मामले दर्ज, पंजाब प्रांत में मिले 80 फीसदी केस

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान में इस साल छह महीने में बच्चों के खिलाफ हिंसा और दुर्व्यवहार के 1,914 मामले दर्ज किए गए। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की उपाध्यक्ष सीनेटर शेरी रहमान ने कहा कि ये मामले जनवरी से जून 2026 के बीच दर्ज किए गए हैं। इन मामलों की व्यापकता बेहद चिंताजनक है। बच्चों पर अत्याचार करने वालों को बख्शा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा, 'हम उन बच्चों की बात कर रहे हैं जिन्हें उनके परिवारों, समुदायों और राज्य द्वारा संरक्षित किया जाना चाहिए, लेकिन वे हिंसा और दुर्व्यवहार का शिकार बन रहे हैं। इसे अलग-थलग घटनाओं की शृंखला के रूप में नहीं देखा जा सकता। इसके लिए तत्काल और समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता है।' रहमान ने कहा कि रिपोर्ट किए गए मामलों में से 80 प्रतिशत पंजाब प्रांत से थे, जिससे मौजूदा बाल संरक्षण तंत्र की प्रभावशीलता पर सवाल उठते हैं। उन्होंने कहा, 'इन आंकड़ों से यह सुनिश्चित करने के लिए गहन जांच की आवश्यकता है कि क्या बच्चे सुरक्षित रूप से दुर्व्यवहार की रिपोर्ट कर सकते हैं, क्या संरक्षण संस्थान पर्याप्त रूप से सुसज्जित हैं।

## कांगो में इबोला का 17वां प्रकोप काबू में, खतरा अभी भी पूरी तरह टला नहीं : डीआरसी

**किंशासा, एजेंसी।** डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) सरकार के अनुसार, देश में फैला इबोला प्रकोप अब नियंत्रण में है और यह अपने चरम स्तर को पार कर चुका है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर अचानक सामने आ रहे नए मामलों, संक्रमण के निरंतर प्रसार और इसके सातवें प्रांत तक पहुंचने के कारण अभी भी खतरा पूरी तरह टला नहीं है। सरकार के प्रवक्ता पैट्रिक मुयाया ने शुक्रवार को कैबिनेट बैठक की रिपोर्ट पढ़ते हुए स्वास्थ्य मंत्री रोजर कंबा का हवाला देते हुए कहा, 'इबोला का 17वां प्रकोप काबू में है और अगस्त 2026 के तीसरे सप्ताह की शुरुआत में यह अपने चरम पर पहुंच गया था।'प्रकोप के हालिया विस्तार से पहले प्रभावित 10 स्वास्थ्य क्षेत्रों में कम से कम 21 दिनों से कोई नया मामला सामने नहीं आया है, इसके बावजूद, अधिकारियों ने लगातार सतर्कता बरतने और कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग (संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने) को सख्ती से करने को कहा है।

# पांच किमी लंबी मेज, 20 हजार लोग और गिनीज रिकॉर्ड: बच्चों के अस्पताल के लिए जुटाया पैसा

**बुखारेस्ट, एजेंसी।** रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में शनिवार को एक अनोखा आयोजन हुआ। यहां करीब 20 हजार लोग एक साथ एक मीलों लंबी मेज के आसपास बैठे। मकसद सिर्फ एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना नहीं था, बल्कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े एक बड़े अस्पताल के लिए पैसा जुटाना भी था। आयोजन का नाम 'यूनाइटिंग टेबल' रखा गया था। यह 5,055 मीटर लंबी थी और यूनिरी बुलेवार्ड से लेकर संविधान चौक तक फैली हुई थी। इसके सामने रोमानिया की कम्युनिस्ट दौर की विशाल संसद भवन की इमारत मौजूद थी। आयोजन में करीब 20 हजार लोग शामिल हुए और कई मेजों को फूलों और खाने-पीने की चीजों से सजाया गया था। लोगों ने एक साझा उद्देश्य के लिए इस पूरे आयोजन में हिस्सा लिया।

'यूनाइटिंग टेबल' की कुल लंबाई 5,055 मीटर थी और इसे पुनर्चक्रित सामग्री से तैयार किया गया था। इसी वजह से इसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया।

**कौन सा गिनीज रिकॉर्ड बना :** इस आयोजन के बाद रोमानिया स्थित 'ब्लूम द वर्ल्ड एसोसिएशन' को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाणपत्र दिया गया। रिकॉर्ड पुनर्चक्रित सामग्री से बनाई गई सबसे लंबी मेज का है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की वरिष्ठ निर्णायक और आधिकारिक ऑन-स्क्रीन जज जोआन ब्रेंट भी बुखारेस्ट के कार्यक्रम में शामिल

हुईं। उन्होंने मंच से कहा कि इस रिकॉर्ड को सिर्फ उपलब्धि तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि इसका इस्तेमाल एक वास्तविक सामाजिक उद्देश्य के लिए किया गया।

**इस आयोजन से जुटाया पैसा कहां जाएगा :** आयोजन से जुटाई गई रकम बुखारेस्ट के ओब्रेगिया अस्पताल परिसर में बच्चों के लिए बनने वाली नई मनोरोग चिकित्सा सुविधा के निर्माण में लगाई जाएगी। मेट्रोपोलिस फाउंडेशन के मुताबिक यह सुविधा 3,900 वर्ग मीटर में बनेगी। परियोजना पर करीब 1.65 करोड़ यूरो खर्च होने का अनुमान है। इसका निर्माण निजी दान और प्रायोजकों की मदद से किया जा रहा है। फाउंडेशन का कहना है कि मौजूदा बाल मनोरोग विभाग पुरानी और भीड़भाड़ वाली जगह में चल रहा है, जो बच्चों और उनके परिवारों की मौजूदा जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। नई इमारत में पांच मंजिलें होंगी। यहां चिकित्सा कक्षों के साथ व्यावसायिक चिकित्सा और आभासी वास्तविकता वाले कमरे भी बनाए जाएंगे। अस्पताल में संवेदी और शैक्षणिक स्थान, अलग विश्राम क्षेत्र और किशोरों में नशे की लत के इलाज के लिए एक विशेष विभाग भी होगा।

**बच्चों के लिए नए अस्पताल की जरूरत क्यों पड़ी :** मेट्रोपोलिस फाउंडेशन के अनुसार रोमानिया में गंभीर मानसिक बीमारियों से जूझ रहे बच्चों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इनमें अवसाद, व्यवहार संबंधी विकार, नशीले पदार्थों का इस्तेमाल, ऑटिज्म और एडीएचडी जैसी समस्याएं शामिल हैं। फाउंडेशन के मुताबिक गंभीर मानसिक विकारों से जुड़े बच्चों के मामले 2018 में 3,839 से बढ़कर 2024 में 5,600 से ज्यादा हो गए। मौजूदा बाल मनोरोग क्लिनिक में 62 बिस्तर हैं। फाउंडेशन का कहना है कि कई वार्डों में बड़ी संख्या में बिस्तर हैं, लेकिन उनके साथ अलग बाथरूम नहीं हैं। जगह की कमी के कारण मरीजों और उनके परिवारों के साथ निजी बातचीत करना भी मुश्किल हो जाता है। नए अस्पताल से हर साल गंभीर मानसिक बीमारियों से जूझ रहे 5,700 से अधिक बच्चों को लाभ पहुंचने की उम्मीद है। परियोजना का उद्देश्य मौजूदा व्यवस्था की जगह बच्चों के लिए बेहतर चिकित्सा माहौल तैयार करना है। क्या पहले भी ऐसा रिकॉर्ड बना चुका है रोमानिया इससे पहले सबसे लंबी पुनर्चक्रित सामग्री वाली मेज का गिनीज रिकॉर्ड भी 'ब्लूम द वर्ल्ड' के पास ही था। यह रिकॉर्ड रोमानिया के मध्य हिस्से में स्थित अल्बा इउलिया शहर में बनाया गया था। उस समय मेज की लंबाई 2,782 मीटर थी और यह रिकॉर्ड पिछले साल इसी तारीख को दर्ज किया गया था।

नए आयोजन में बुखारेस्ट की मेज ने पुराने रिकॉर्ड को काफी पीछे छोड़ दिया। संगठन की प्रतिनिधि एलेक्सा विल्कान ने कहा कि वे ज्यादा से ज्यादा लोगों को बच्चों के पहले मनोरोग अस्पताल के लिए दान करने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं। रोमानिया की स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने क्या चुनौती है रोमानिया में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बजट भी एक बड़ी चुनौती है। यूरोपीय संघ के सांख्यिकी कार्यालय यूरोस्टैट के अनुसार 2023 में रोमानिया का स्वास्थ्य बजट सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के मुकाबले 5.7 प्रतिशत था। यह यूरोपीय संघ के करीब 10 प्रतिशत के औसत से काफी कम था। इसी बीच रोमानिया के स्वास्थ्य मंत्री अलेक्जांद्रु रोगोबेते ने इस परियोजना को समर्थन देने का वादा किया है। उन्होंने अस्पताल के लिए जरूरी उपकरण और फर्नीचर उपलब्ध कराने की बात कही है।

# अमेरिका में भारतीय महिला की हत्या: आरोपी ने महीनों पीछा कर बरसाईं गोलियां; फिर खुद को भी गोली मार ली

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के कैलिफोर्निया में भारतीय मूल की 38 वर्षीय महिला शालिनी ठाकुर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना आठ सितंबर को सैक्रामेंटो के एक शॉपिंग सेंटर में रेस्तरां के बाहर हुई। आरोप है कि भारत का 22 वर्षीय रोहित कई महीनों से शालिनी का पीछा कर रहा था और उन्हें परेशान कर रहा था। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के मुताबिक, वारदात वाले दिन रोहित शालिनी की कार के पास पहुंचा। शालिनी ने उससे बचने के लिए भागने की कोशिश की तो रोहित ने उनका पीछा किया और बंदूक निकालकर उन पर कई गोलियां चला दीं। आरोपी ने शालिनी का पीछा किया: शालिनी ने जब रोहित से बचकर भागने की कोशिश की, तो उसने उनका पीछा किया और गोली चला दी। जमीन पर गिरने के बाद भी नहीं रुका: शालिनी के गिरने के बाद रोहित ने बेहद करीब से उनके सिर में भी गोली मारी, इसके बाद वह वहां से भाग गया।

**वारदात के बाद आरोपी के साथ क्या हुआ :** गोलीबारी के बाद रोहित अपनी कार से वहां से फरार हो गया। अधिकारियों ने उसकी कार के चालक को बाहर आने के लिए कहा। इसके बाद पता चला कि रोहित ने खुद को गोली मार ली थी और उसकी मौत हो चुकी थी। सैक्रामेंटो काउंटी कोरोनर कार्यालय के हवाले से फॉक्स40 डॉट कॉम ने यह जानकारी दी। यानी जिस व्यक्ति पर शालिनी की हत्या का आरोप है, उसकी मौत भी इसी घटना के बाद हो गई। अमेरिकी गृह

सुरक्षा विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि रोहित भारत का रहने वाला था और 2023 में एरिजोना के रास्ते अमेरिका आया था।

**रोहित का अमेरिका में रहने का क्या स्टेटस था :** अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के प्रवक्ता के अनुसार, रोहित बिना वैध दस्तावेजों के अमेरिका में रह रहा था। प्रवक्ता ने बताया कि 2023 में एरिजोना के रास्ते अमेरिका में दाखिल होने के बाद उसे अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद बाइडन प्रशासन के दौरान उसे रिहा कर दिया गया था। हालांकि, शुक्रवार तक उसकी आव्रजन स्थिति से जुड़ी सटीक जानकारी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सकी थी।

जांच में पता चला कि रोहित कम से कम जनवरी से शालिनी को परेशान कर रहा था और उनका पीछा कर रहा था। शालिनी को अपनी कार के बोनट के नीचे एक एप्पल एयरटैग मिला था। इसके बाद रोहित के उनकी गतिविधियों पर नजर रखने की बात सामने आई। रिपोर्ट के मुताबिक, उसने शालिनी की कार के टायरों की हवा भी निकाल दी थी और उनका पीछा करते हुए काम की जगह तक पहुंच जाता था। वहां वह शालिनी को मदद की पेशकश करता था।

# फिलीपींस नाव हादसा: जली हुई यात्री नौका से बरामद हुए और शव, मृतकों की संख्या 76 हुई

**मनीला, एजेंसी।** फिलीपींस में आग से पूरी तरह जल चुकी यात्री नौका से बचावकर्मियों ने शनिवार को और शव बरामद किए। इसके साथ ही हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 76 हो गई है। 13 लोग अब भी लापता हैं। नौका में सवार 132 लोगों में से 43 लोग बुधवार रात लगी आग से बच गए थे। यह नौका राजधानी मनीला से रवाना हुई थी और दक्षिण-पश्चिमी पालावान प्रांत के कोरोन में अपने गंतव्य से करीब 39 किलोमीटर दूर थी, तभी इसमें आग लग गई। आग लगने की वजह अभी तय नहीं हो सकी है। तटरक्षक बल की प्रवक्ता ने एक जीवित बचे व्यक्ति के हवाले से बताया कि आग संभवतः सामान रखने वाले हिस्से से शुरू हुई थी। अधिकारियों के मुताबिक, जीवित बचे व्यक्ति ने बताया कि उसने एक विस्फोट जैसी आवाज सुनी थी। इसके बाद धुआं और आग तेजी से फैल गई। हवा के कारण आग और तेजी से फैलती चली गई। कोरोन के बोराक बंदरगाह पर तंबू लगाए गए हैं। जिस जहाज से शवों को नौका से निकालकर लाया गया, उससे शवों से भरे बैग बंदरगाह पर उतारे गए। तटरक्षक बल की प्रवक्ता कमोडोर नोएमी कयाबयाब ने बताया कि अधिकारी नौका के कप्तान की तलाश कर रहे हैं। बताया गया है कि कप्तान हादसे में बच गया था, लेकिन उसका नाम बचे लोगों की सूची में नहीं है। तटरक्षक बल ने कहा कि कई एजेंसियों की ओर से समुद्री सुरक्षा और आपराधिक जांच की जाएगी। इसमें सभी संभावित पहलुओं की जांच की जाएगी और कप्तान तथा चालक दल की संभावित जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। कयाबयाब ने बताया कि जीवित बचे लोगों के अनुसार आग बहुत तेजी से फैली और लोगों को लाइफ जैकेट पहनने तक का समय नहीं मिला। उन्होंने कहा, 'बारिश से जहाज के खुले हिस्सों को ढकने वाली तिरपाल एक संभावित कारण हो सकती है, लेकिन अभी यह तय नहीं किया जा सकता कि लोग इसके अंदर फंस गए थे या नहीं।' जांचकर्ता यह भी देखेंगे कि आग लगने की स्थिति में तय आपातकालीन प्रक्रियाओं का पालन किया गया था या नहीं। इसमें यह भी जांच होगी।

# यूक्रेन के कई शहरों में रूसी हवाई हमलों का तांडव, 90 मिनट में दागे 500 ड्रोन, नौ लोगों की मौत, कई घायल

**कीव, एजेंसी।** रूस और यूक्रेन के बीच पिछले चार साल से जारी जंग खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। शनिवार को रूसी सेना ने यूक्रेन के कई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक इन हमलों में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इन हमलों में रिहायशी इमारतों और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि शनिवार तड़के रूस ने यूक्रेनी ठिकानों पर लगभग 500 ड्रोन दागे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस युद्ध के मोर्चे से ध्यान हटाकर अर्थव्यवस्था पर हमले कर रहा है। जिससे युद्धकालीन परिस्थितियों में लोगों की सहायता करने वाले हर ठिकाने को बर्बाद किया जा सके।

**रूसी सेना ने आम लोगों को**

**बनाया निशाना :** यूक्रेन के प्रमुख फ्रंटलाइन शहर क्रामाटोर्स्क की नगर परिषद ने रूसी हमलों की आलोचना करते हुए बताया कि, रूस अब यूक्रेन के सैन्य ठिकानों पर हमले करने के साथ-साथ आम नागरिकों को भी निशाना बना रहा है। शनिवार को 90 मिनट के अंदर हुई तीन अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। परिषद ने स्पष्ट किया कि शनिवार को हुए हमलों में कोई भी सैन्य ठिकाने नहीं थे, बल्कि आम नागरिक जो अपनी निजी कारों में अपने सामान्य कामकाज के लिए निकले थे उन्हें निशाना बनाया गया।

**किराने की दुकान पर ड्रोन हमला :** यूक्रेन के कई शहरों में रूस की ओर से किए गए हमलों में कई लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। झितोमिर क्षेत्र के गवर्नर विटाली बुनेचको के अनुसार, ज्वियाहेल शहर में एक किराना स्टोर को निशाना बनाया गया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। हमले में दो पेट्रोल पंप और विदेशी निवेश वाली एक कंपनी भी प्रभावित हुई है।

**जापोरिज्जिया और क्रिवी रिह में भी हमले :** जापोरिज्जिया क्षेत्र के गवर्नर इवान फेडोरोव ने बताया कि क्षेत्र में हुए हमलों में दो लोगों की मौत हुई, जबकि 11 लोग घायल हुए हैं। वहीं, राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के गृहनगर क्रिवी रिह में रातभर ड्रोन और मिसाइल हमले किए गए। सैन्य प्रशासन के प्रमुख ओलेक्सांद्र के मुताबिक, इन हमलों में दो लोगों की जान चली गई। वहीं, काला सागर के प्रमुख बंदरगाह शहर ओडेसा में भी हमले जारी रहे। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह कीपर ने बताया कि रात से शनिवार शाम तक हुए हमलों में करीब 40 लोग घायल हुए हैं। डोनेट्स्क में यूक्रेनी ड्रोन हमलों का दावा इस बीच, रूस के नियंत्रण वाले पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी ड्रोन हमलों में तीन लोगों की मौत होने की बात सामने आई है।

# सऊदी अरब ने कई हमलों के बाद ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन बंद की, कई लोग घायल

**रियाद, एजेंसी।** सऊदी अरब ने गुरुवार को कई हमलों के बाद एहतियात के तौर पर ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन को बंद करने का ऐलान किया है. सऊदी ऊर्जा मंत्रालय ने बयान में कहा कि हमलों में देश के सेंट्रल रियाद इलाके और वेस्टर्न मदीना इलाके में पाइपलाइन को टारगेट किया गया, जिससे कई लोग घायल हुए हैं.

ऊर्जा मंत्रालय के एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि रियाद और मदीना इलाकों में ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन पर गुरुवार, 10 सितंबर 2026 की सुबह कई हमले किए गए. ऊर्जा मंत्रालय ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर शेयर की गई रिलीज में कहा गया कि एहतियात के तौर पर पाइपलाइन को बंद कर दिया गया था. हमलों में कई लोग घायल हुए, और जिन लोगों पर असर हुआ, उन्हें

मेडिकल केयर दी गई. सोर्स ने कहा कि हमलों के तुरंत बाद इमरजेंसी और स्पेशलाइज्ड टेक्निकल टीमों ने जवाब दिया, और पाइपलाइन को सुरक्षित करने और मंजूर सेफ्टी प्रक्रिया और इमरजेंसी रिस्पॉन्स प्लान के हिसाब से, संबंधित अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेशन में इसकी सेफ्टी का पता लगाने के लिए जरूरी कदम उठाए गए. पोस्ट में आगे लिखा गया कि कोई भी डेवलपमेंट सही समय पर बताया जाएगा. सऊदी अरब ने ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन में भारी इन्वेस्ट किया है, जो उसके पूर्वी फील्ड्स से कच्चा तेल रेड सी पोर्ट यानबू तक ले जाती है, और होर्मुज स्ट्रेट को बायपास करती है. इस बीच, सऊदी फॉरेन मिनिस्ट्री ने शुक्रवार को कहा कि इराक से उसकी ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन पर ड्रोन अटैक किया गया, जिससे चोटें आईं और नुकसान हुआ. एक बयान में, मिनिस्ट्री ने अटैक की निंदा की और कहा कि इराकी प्राइम मिनिस्टर के कहने पर, किंगडम ने इस स्टेज पर जवाब देने से मना कर दिया था.

मंत्रालय ने कहा कि इस कदम का मकसद इराकी सरकार को सऊदी अरब के खिलाफ इराकी इलाके से होने वाले हमलों को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने का मौका देना था. उसने यह भी कहा कि देश अपनी संप्रभुता, सुरक्षा, सुविधाओं और नागरिकों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाने का अधिकार रखता है. इराकी सेना ने बयान में कहा कि हम सऊदी अरब के जवाबी कार्रवाई न करने के फैसले का स्वागत करते हैं. इसके साथ-साथ सऊदी सिक्योरिटी को खतरा पहुंचाने वाले किसी भी हमले की निंदा भी करते हैं, और कहा कि उसने इसके लिए जिम्मेदार लोगों की जांच का आदेश दिया है.

# बांग्लादेश में हिंदू पत्रकार की संदिग्ध मौत: दफ्तर में फंदे से लटका मिला शव

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक अखबार 'समकाल' के न्यूजरूम में एक वरिष्ठ हिंदू पत्रकार का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। बरिसल जिले में स्थित अखबार के ब्यूरो कार्यालय में हुई इस घटना ने देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। शुक्रवार शाम को 'समकाल' के बरिसल ब्यूरो चीफ रहे 57 वर्षीय पुलक चटर्जी का शव दफ्तर के अंदर फंदे से लटकता पाया गया।

घटना की पुष्टि करते हुए बरिसल कोतवाली मॉडल पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी अल मामून-उल इस्लाम ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मौत की असली वजह का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। वहीं, बांग्लादेशी अखबार 'ढाका ट्रिब्यून' ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से लिखा है कि चटर्जी को करीब तीन साल पहले 'समकाल' अखबार से हटा दिया गया था। वह बरिसल प्रेस क्लब के महासचिव पद पर भी रह चुके थे और इससे पहले उन्होंने कई वर्षों तक एक अन्य अखबार 'जुगांतर' के साथ काम किया था। उनके परिवार में पत्नी और एक बेटी हैं।

इस घटना पर राजनीतिक प्रतिक्रिया देते हुए बांग्लादेश की अवामी लीग पार्टी ने शनिवार को आरोप लगाया कि चटर्जी की मौत की परिस्थितियां कई गंभीर सवाल खड़े करती हैं। पार्टी का दावा है कि शव की जो तस्वीर लीक हुई है, उससे साफ पता चलता है कि यह स्वाभाविक मौत या सामान्य आत्महत्या नहीं है। पार्टी ने कहा कि तस्वीर में उनके दोनों पैर जमीन पर टिके हैं, घुटने मुड़े हुए हैं और शरीर लगभग सीधा है। कोई भी व्यक्ति इस तरह फंदे पर लटककर नहीं मर सकता। यह साफ तौर पर एक पूर्वनियोजित साजिश है और इसकी जांच होनी चाहिए कि इसे किसने और क्यों अंजाम दिया।

अवामी लीग ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी गठबंधन के 2001 से 2006 के पांच साल के शासन को याद करते हुए कहा कि उस दौर में अल्पसंख्यकों पर जो बर्बरता हुई थी, वही हालात 2026 में फिर से देखने को मिल रहे हैं। पार्टी ने कहा कि मंदिरों पर हमले करना, घरों में आग लगाना, जमीनों पर कब्जा करना, महिलाओं के खिलाफ भयानक यौन हिंसा और अनगिनत हिंदुओं को बांग्लादेश छोड़ने के लिए मजबूर करना यह सारा मंजर आज 2026 में फिर आंखों के सामने लौट आया है। पुलक चटर्जी उस दौर में भी पत्रकारिता कर रहे थे। उन्होंने इन अत्याचारों को देखा, उनके बारे में लिखा और वे उन घटनाओं के प्रमुख गवाह थे। पार्टी के अनुसार, उन्हें खामोश करने का मतलब इतिहास की आवाज को ही दबाने की कोशिश करना है। अवामी लीग ने बीएनपी और जमात पर 2001-06 की घटनाओं को 2026 में दोहराने का आरोप लगाते हुए कहा कि अल्पसंख्यकों का दमन, पत्रकारों का उत्पीड़न और असहमति की आवाज को कुचलना उनकी राजनीति के मुख्य आधार रहे हैं। पार्टी ने कहा कि पुलक चटर्जी एक अल्पसंख्यक थे, पत्रकार थे और 'समकाल' के ब्यूरो प्रमुख थे। यानी वे इन तीनों का प्रतिनिधित्व करते थे और उनकी हत्या करके इन तीनों आवाजों को एक साथ खत्म करने की कोशिश की गई है। पार्टी ने कहा कि चटर्जी उस दौर के प्रत्यक्षदर्शी थे जब बीएनपी-जमात गठबंधन ने कथित तौर पर अल्पसंख्यकों के खून से बांग्लादेश की जमीन को लाल किया था।

# 22 साल से फ्रीज था भ्रूण: ग्रीस में 54 साल की महिला फिर से बनी मां

**एथेंस , एजेंसी।** अपने सबसे कठिन दौर से उबरते हुए, एक ग्रीक दंपति ने इस सप्ताह जन्मे बच्चे के साथ एक नई शुरुआत की। ऐसा करने के लिए उन्हें क्रिस्टीना रापी-त्जेलेपी के दशकों पुराने भ्रूणों में से एक का उपयोग करना पड़ा। इसके साथ ही सरकारी समय सीमा से पहले ही बच्चे को जन्म देना पड़ा।

**क्या है मामला :** अक्तूबर में एक सड़क दुर्घटना में अपने 21 वर्षीय बेटे की मृत्यु के कुछ ही महीनों बाद, अब 54 वर्षीय रापी-त्जेलेपी और उनके पति ने 22 वर्षों से जमे हुए भ्रूण का उपयोग करके एक और प्रयास करने का निर्णय लिया। रापी-त्जेलेपी को महिलाओं के लिए इन विट्रो फर्टिलाइजेशन प्रक्रिया पूरी करने और राष्ट्रीय अथॉरिटी से मंजूरी पाने की ग्रीक सरकार की 54 साल की उम्र सीमा का सामना करना पड़ रहा था। जब उन्होंने शुरुआत की, तो समय पहले ही कम पड़ रहा था।

**त्जेलेपी ने क्या कहा :** उन्होंने कहा, 'मेरे पास सिर्फ ढाई महीने का समय था। यह तनावपूर्ण था, लेकिन अंदरूनी हिम्मत और हमारे डॉक्टर व उनकी पूरी टीम के साथ होने की वजह से हमने हर मुश्किल का सामना किया। उन्होंने बुधवार को ग्रीस की राजधानी एथेंस में एक बच्ची को जन्म दिया, जिसका वजन 3.49 किलोग्राम था। शुक्रवार को गुलाबी गुब्बारों और फूलों से सजे अस्पताल के कमरे में नए माता-पिता भावुक हो गए।

**'हमने जिंदगी को एक और मौका दिया' :** काले पजामे में बिस्तर पर बैठीं राप्टी-त्जेलेपी ने कहा, 'हमने जिंदगी को एक और मौका देने, नई शुरुआत करने, अपने घर में नई जिंदगी लाने और अपने परिवार की कहानी को आगे बढ़ाने का फैसला किया। मेरी इच्छा है कि वह स्वस्थ और खुश रहे, हमारे पहले बच्चे की तरह खुशियों से भरी रहे, जिसने हमारे घर को हंसी-खुशी से भर दिया था।'

**यह केस क्यों खास :** यह बच्चा महिला के उस भ्रूण से पैदा हुआ था जिसे 22 साल से भी ज्यादा समय पहले फ्रीज

किया गया था। प्रेग्नेंसी के लिए फ्रीज किए गए फर्टिलाइज्ड अंडे का इस्तेमाल करने के मामले में यह बहुत लंबा समय है। पिछले साल, ओहियो के एक जोड़े ने 'एम्ब्रियो अडॉप्शन' (भ्रूण गोद लेने) की प्रक्रिया के जरिए 30 साल से ज्यादा समय तक फ्रीज किए गए भ्रूण से पैदा हुए एक बच्चे का स्वागत किया था और उन्हें गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से पहचान मिली थी।

**स्त्री रोग विशेषज्ञ ने क्या कहा :** राप्टी-त्जेलेपी के स्त्री रोग विशेषज्ञ और हेलेनिक सोसाइटी ऑफ रिप्रोडक्टिव मेडिसिन के प्रमुख डॉ. कोस्टास पैंटोस ने तर्क दिया कि ग्रीस में उम्र की पाबंदियों पर फिर से विचार करने की जरूरत है, क्योंकि देश में जन्म दर तेजी से गिर रही है। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न के रहने वाले पैंटोस ने कहा, 'कानून बहुत सख्त है। 54 साल और एक दिन की उम्र भी मंजूर नहीं है। शायद अब इसे बदलने का समय आ गया है। मुझे लगता है कि यह एक ऐसा अधिकार है जिससे माता-पिता को वंचित नहीं किया जाना चाहिए।'

**बच्ची के पिता ने क्या कहा :** बच्ची के 60 वर्षीय पिता, कॉन्स्टेंटिनोस राप्टिस ने अपनी नई बेटी को गोद में लिया, जो सफेद बॉडीसूट पहने उनके कंधे पर सो रही थी। उन्होंने कहा कि वह अपने परिवार में उम्मीद जगाने के लिए डॉक्टर के बहुत आभारी हैं। रैप्टिस ने कहा, 'उन्होंने हमारा हाथ पकड़ा और हमें घोर अंधेरे से बाहर निकाला। हम उस अंधेरे से बाहर निकल आए हैं। मेरा मानना है कि अब हमारे पास जीने के लिए बहुत कुछ है। इस जोड़े ने अपनी बेटी का नाम जॉर्जिया रखा, जो उनके दिवंगत बेटे जियोर्गोस की याद में था। जियोर्गोस का जन्म भी आईवीएफ से हुआ था। उन्होंने एक और बच्चे के लिए कोशिश करने की संभावना को भी खारिज नहीं किया है। हो सकता है कि इसके लिए वे विदेश जाएं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)